04 - राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा से उपजे सवाल

05 - 'किसी जगह की मिट्टी भीगे, तृप्ति उन्हें मिल जाएगी'.....

A Daily News Magazine
इंदौर
सोमवार, 23 सितम्बर , 2024

06 - मात्र 8 महीने में दर्जनों हादसे, आंख मूंदकर बैठे एनएचएआई...

07- बेटियां अब हर असंभव को संभव कर रही है

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 327, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्या: MP/IDC/1529/2016-2018)

सुबह सवेरे

पहली बात

राजनेताओं के शब्दो में अपराधों का आव्हान

उमेश त्रिवेदी
संपादक

9893032101

लोकसभा में नेता, प्रतिपक्ष राहुल गांधी को देश का नंबर एक आतंकी घोषित करने की मांग के बाद भभकी आरोपों की चिंगारियों में पक्ष-विपक्ष के राजनीतिक संवादों ने शर्मनाक आयाम अख्तियार कर लिए है। राजनीतिक भाषा का स्तर गली-कूचों की शब्दावली के नजदीक छलांग लगाता महसूस हो रहा है। कोई राहुल गांधी को जान से मारने की धमकी दे रहा है तो कोई उनकी जीभ काटने की बात कर रहा है तो कोई उन्हे नंबर वन आतंकी घोषित करने वालों के सिर कलम करने पर इनाम की घोषणा कर रहा है।

बीते दो दशकों के भाषाई-इंडेक्स में परिलक्षित गिरावट इस बात का संकेतक है कि सियासी जिंदगी में बौद्धिक दिवालियापन अपने शिखर की अंतिम पायदान पर खड़ा है। सार्वजनिक जीवन के मुहावरों, शब्दों और अक्षरों में विघटन और विप्लव सामाजिक अपराधों की दिशा में उत्प्रेरक का काम करता दिख रहा है। राहुल गांधी को आतंकी घोषित करने की मांग अब केन्द्रीय राज्यमंत्री रवनीत बिट्टू का सिर कलम करने की ओर मुड़ गई है। तेलंगाना के विधायक वेदमा बोज्जू ने कहा है कि जो व्यक्ति बिट्टू का सिर कलम करके लाएगा, उसे वो अपनी एक एकड़ पुश्तैनी जमीन पुरस्कार के रूप में भेंट कर देंगे। इसके पहले रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा था कि राहुल गांधी देश के नंबर वन आतंकी हैं। वे भारतीय नहीं हैं। उन्हे गिरफ्तार किया जाना चाहिए और उन्हे गिरफ्तार करने वाले को इनाम दिया जान चाहिए। कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने रवनीत सिंह बिट्टू को याद दिलाया है कि उनका पूरा राजनीतिक कॅरियर सिर्फ राहुल गांधी की देन है। सत्ता के लालच में वो विरोधियों की गोद में बैठ गए हैं। वो आस्तीन के सांप हैं। शिवसेना (एकनाथ शिंदे) के विधायक संजय गायकवाड़ ने कहा है कि जो व्यक्ति राहुल गांधी की जीभ काटकर लाएगा, उसे 11 लाख रूपयों का इनाम दिया जाएगा। भाजपा नेता तरविंदर सिंह ने 11 सितम्बर को कहा था कि राहुल गांधी बाज आजा, नहीं तो आने वाले समय में तेरा भी वही हाल होगा जो तेरी दादी का हुआ था। याने इंदिरा गांधी की तरह ही राहुल गांधी की हत्या भी कर दी जाएगी। इसके प्रतिवाद में राजस्थान में कांग्रेस के प्रदर्शन में कहा गया कि राहुल के खिलाफ अपशब्द बोलने वाले लोगों के हाथ काट दिये जाएगें।

विडम्बना यह है कि राजनीति के सूत्रधार अपराधिक दिशाओं की ओर अग्रसर संवादों के संग्राम पर खामोश हैं। भले ही उनकी यह खामोशी उनकी रणनीतिक चुप्पी हो, लेकिन यह तय है कि उसके अंजाम कलह की नई इबारत लिखने वाले हैं। नेताओं को समझना होगा कि वो जो कहेंगे उनके अनुयायी उनकी बातों का अनुसरण करने करेंगे। राहुल गांधी के संदर्भ में बयानबाजी को अलग भी रखे दें तो उपद्रव पैदा करने वाले जहरीले बयानों का सिलसिला पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है। वैसे भारतीय लोकतंत्र में वाचिक-परम्परा का इतिहास गौरवशाली है। कांग्रेस, भाजपा सहित सभी पार्टियों में ऐसे नेता बहुतायत में पाए जाते थे, जिन्हे सुनने के लिए जनता उमड़ पड़ती थी। लाखो की स्वप्रेरित में भीड़ में आकर्षण के प्रमुख केन्द्र रहे अटल बिहारी बाजपेई के उद्वेलित करने वाले भाषणों की स्याही तो अभी सूखी भी नहीं हैं। बाजपेई बहुत ही खूबी से अपने विरोधियों के मुद्दे को नेस्तनाबूद कर देते थे, लेकिन किसी को व्यक्तिगत आहत नहीं करते थे। यह देश का दुर्भाग्य है कि मौजूदा सियासी दौर में देश के प्रधानमंत्री को 'फेंकू' कहा जाता है तो नेता, प्रतिपक्ष को पप्पू नाम से नवाजा गया है।

भारतीय परिप्रेक्ष्य में देश की विशाल भौगोलिकता,सामाजिक संरचना और सांस्कृतिक उदभव में विविधता में एकता के सूत्र पिरोने वाला एक मात्र तत्व भाषा है। इसीलिए भाषा और राजनीति के बीच एक सुगढ़ राजनीतिक संस्कृति के निर्माण और निरूपण के लिए भाषा के महत्ता और महत्व किसी से छिपा नहीं है। भाषा देश के सामाजिक संचार के स्वास्थ्य के लिए सबसे प्रमुख औजार है। भारतीय राजनीति को नए आयाम प्रदान करने के लिए देश कि सियासत में भाषा की श्रेष्ठता अपरिहार्य है। राजनीतिक आंदोलन और राजनीतिक अराजकता मे फर्क करना जरूरी है। देश के सूत्रधारों को सोचना होगा कि देश मे ऐसी परिस्थितियों का निर्माण नहीं हो जो आत्मघाती हो।

देश में पक्ष-विपक्ष के बीच राजनीतिक संघर्ष की कहानियां अपवाद नहीं है। आजादी के बाद इतिहास में कई मौकों परसत्ता पक्ष और विपक्ष आमने सामने खड़ा नजर आता रहा है। सबसे बड़ी लड़ाई आपातकाल के बाद कांग्रेस और भाजपा के बीच लड़ी गई थी। लेकिन उस वक्त राजनेताओं मे इंदिरा गांधी, अटलबिहारी बाजपेई, लालकृष्ण आडवाणी, मधु लिमये , चंद्रशेखर जैसे बड़े नाम फलक पर चमकते थे। सत्ता परिवर्तन के उस दशक मे सिद्धांत की राजनीति सर्वोपरि थी। आपातकाल के खिलाफ सबसे प्रेरक नारा था कि 'सिंहासन खाली करो की जनता आती है...' जबकि जनता पार्टी के विदाई काल में कांग्रेस के आव्हान था कि चुने उन्हे जिन्हें सरकार चलाना आता है...। इन नारों में व्यक्तिगत रंजिश और वैमनस्य कहीं भी नही था, जबकि फिलवक्त सारे नारे व्यक्ति केन्द्रित विद्वेष को पैदा करने वाले हैं। शायद इसीलिए शब्दों की तासीर इतनी जहरीली होती जा रही है।

बहरहाल, जहर के इस प्रवाह में सावधानी जरूरी है। इसीलिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की मांग पर गौर करना जरूरी है। उन्होने मांग की है कि केन्द्र सरकार को विपक्ष के नेता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तेजी से कार्रवाई करन चाहिए। उन्हे धमकी देने वालो तत्वों को सबक सिखाना चाहिए कि धमकी और हिंसा का हमारे लोकतंत्र में कोई स्थान नहीं है।

ट्रैक पर बिछाए डेटोनेटर, पहले ही हो गए ब्लास्ट

एमपी में आर्मी ट्रेन डिरेल करने की थी साजिश, हो गई नाकाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर में ट्रेन डिरेल करने की साजिश में नया फैक्ट सामने आया है। रेलवे सूत्रों ने रविवार को बताया कि बुरहानपुर में सेना के जवानों को ले जा रही ट्रेन में विस्फोट की कोशिश की गई थी। यह घटना 18 सितंबर की है। बुरहानपुर के नेपानगर में रेलवे ट्रैक पर डेटोनेटर बिछाए गए। हालांकि, ट्रेन के पहुंचने से पहले ही कुछ डेटोनेटर फूट गए। इससे रेलवे अधिकारी अलर्ट हो गए और स्टेशन पर ट्रेन रुकवा दी गई थी। बीते 24 घंटे में यूपी में भी ट्रेन डिरेल करने की घटनाएं सामने आई हैं। उत्तर प्रदेश के कानपुर में रविवार को प्रेमपुर स्टेशन के पास गुड्स ट्रेन को बेपटरी करने की साजिश रची गई। ट्रैक पर एक छोटा सिलेंडर रखा मिला। लोको पायलट ने सिलेंडर देखते ही इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को 10 फीट पहले ही रोक लिया। घटना रविवार सुबह की है। बिहार के मुजफ्फरपुर में शनिवार रात मुजफ्फरपुर-समस्तीपुर रेल लाइन के बीच इंजन के कुल 6 चक्के पटरी से उतर गए। घटना शनिवार की रात 8.31 की है। शुरुआती जांच में लोको पायलट और पॉइंट मैन की लापरवाही सामने आई है। 18 सितंबर को मध्य प्रदेश के बुरहानपुर से आर्मी की ट्रेन गुजरने वाली थी। ट्रेन खंडवा से होते हुए तिरुवनंतपुरम जा रही थी। इसमें आर्मी के अफसर, कर्मचारी और काफी असलाह मौजूद था। रेलवे सूत्रों के मुताबिक, सागफाटा के पास ट्रैक पर 10 डेटोनेटर करीब एक से डेढ़ फीट की दूरी पर रखे गए थे। सूचना मिलने पर ट्रेन को सागफाटा में रोक दिया गया और ट्रेन डिरेल करने की साजिश नाकाम हो गई।

- **कानपुर में फिर ट्रैक पर मिला सिलेंडर, पंजाब में रखा था सरिया**

कानपुर में ट्रेन डिरेल करने की 38 दिन में 5वीं साजिश

कानपुर में रविवार को प्रेमपुर स्टेशन पर सिलेंडर रखे होने की सूचना मिलते ही रेलवे के सीनियर अफसर, आरपीएफ, जीआरपी और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे। अफसरों ने बताया कि मालगाड़ी कानपुर से प्रयागराज जा रही थी। ट्रैक पर रखा 5 किलो का सिलेंडर खाली था। यूपी में 38 दिनों में ट्रेन पलटाने की यह 5वीं साजिश है।

रेलवे एक्ट में बदलाव की तैयारी, डिरेलमेंट में मृत्युदंड पर विचार

रेलवे एक्ट के मौजूदा प्रावधानों में रेलवे अधिनियम-1989 की धारा 151 के तहत रेल हादसे की साजिश सिद्ध होने पर अधिकतम 10 साल की सजा और जुर्माने का प्रावधान है। अब इस अधिनियम में उपधारा जोड़कर इसे देशद्रोह की श्रेणी में लाने की तैयारी है। गृह मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक रेल पटरियों पर अवरोधक रखना हादसे की साजिश है।

सुधर जाओ, क्वाड ने दी चीन पाकिस्तान को चेतावनी

संयुक्त बयान में मुंबई आतंकी हमले का भी किया जिक्र

वाशिंगटन (एजेंसी)। भारत के खिलाफ आए दिन साजिश करने वाले चीन और पाकिस्तान को क्वाड देशों ने मिलकर चेताया है। क्वाड के संयुक्त बयान में 26/11 के मुंबई आतंकी हमले और पठानकोट आतंकी हमले की निंदा की गई। बयान में कहा गया कि यूएन सिक्योरिटी काउंसिल के 1276 सैंक्शन कमेटी के माध्यम सेन हमलों के साजिशकर्ताओं के खिलाफ कड़ा ऐक्शन होना चाहिए। क्वाड नेताओं ने समान रूप से आतंकवाद और हिंसक कट्टरपंथ की निंदा की। चारों देशों ने मिलकर आतंकवाद से निपटने की प्रतिबद्धता दोहराई। क्वाड के संयुक्त बयान में कहा गया, मुंबई आतंकी हमले और पठानकोट हमले को लेकर हम फिर से निंदा करते हैं। क्वाड वर्किंग ग्रुप की बैठक में आतंकवाद से निपटने के विषय पर विस्तार से चर्चा की गई थी। यह बैठक बीते साल होनुलुलु में हुई थी और इस बार नवंबर में जापान में होनी है। भारत हमेशा पाकिस्तान के असली चेहरे को दुनिया के सामने बेनकाब करता रहा है। वहीं आतंकवाद को लेकर भारत का रुख हमेशा से कड़ा रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत पाकिस्तान को लताड़ने में भी कसर नहीं छोड़ता है। क्वाड' की इस चौथी बैठक के बाद जारी विलमिंगटन घोषणापत्र में कहा गया, 'क्वाड को नेता-स्तरीय प्रारूप में उन्नत किए जाने के चार साल बाद यह समूह रणनीतिक रूप से पहले से कहीं अधिक एकजुट है। 'क्वाड' अच्छे मकसद से बनाया गया समूह है जो हिंद-प्रशांत के लिए वास्तविक, सकारात्मक और स्थायी प्रभाव छोड़ता है।'

मस्क, अडानी, जकरबर्ग...

साल 2034 तक दुनिया को मिल सकते हैं 10 ट्रिलिनेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमीरों की दौलत तेजी से बढ़ रही है और माना जा रहा है कि साल 2027 तक दुनिया को पहला ट्रिलिनेयर मिल सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक यह ताज सबसे पहले एलन मस्क के सिर पर सज सकता है। साल 2027 तक उनकी नेटवर्थ एक ट्रिलियन डॉलर पहुंच सकती है। अगले 10 साल में दुनिया को 10 ट्रिलिनेयर मिल सकते हैं। इसमें भारत के दो रईस मुकेश अंबानी और गौतम अडानी भी शामिल हो सकते हैं। यह कैल्कुलेशन 2017 से 2024 के बीच इन अरबपतियों की नेटवर्थ में आई तेजी पर आधारित है। इसके मुताबिक गौतम अडानी 2028 में ही ट्रिलिनेयर बन सकते हैं जबकि मुकेश अंबानी को उसने पांच साल बाद यह मुकाम हासिल हो सकता है। एक स्टडी के मुताबिक टेस्ला, स्पेसएक्स और एक्स जैसी कई कंपनियों को चला रहे मस्क की नेटवर्थ सालाना 110 फीसदी की औसत रफ्तार से बढ़ रही है। इसके मुताबिक 2027 तक उनकी नेटवर्थ चार गुना से ज्यादा बढ़ जाएगी। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर मस्क अभी 256 अरब डॉलर के साथ दुनिया के सबसे बड़े रईस हैं। वहीं अडानी 103 अरब डॉलर के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 14वें नंबर पर हैं। अडानी 2028 में ट्रिलिनेयर बन सकते हैं। लेकिन इसके लिए उनकी नेटवर्थ में सालाना औसतन 123 फीसदी की तेजी जारी रहनी चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक एआई चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया के सीईओ जेंसन हुआंग और इंडोनेशिया के सबसे बड़े रईस प्राजोगो पेंगेस्तू भी 2028 तक ट्रिलिनेयर क्लब में शामिल हो सकते हैं।

बाजार से गायब हो रहे 10, 20 और 50 के नोट

बेंगलुरु (एजेंसी)। लोकसभा में कांग्रेस के विप मणिकम टैगोर ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर छोटे नोटों की कमी पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि मार्केट में छोटे नोटों की कमी हो गई है जिसकी वजह से गरीबों को खासी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। टैगोर ने कहा कि 10-20 और 50 के नोटों की कमी की वजह से ग्रामीण और शहरी गरीबों को परेशानी हो रही है। शनिवार को टैगोर ने अपने पत्र में लिखा, रिपोर्ट्स से पता चला है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने यूपीआई और कैशलेस ट्रांजैक्शन को बढ़ावा देने के लिए इन नोटों को छापना ही बंद कर दिया है। डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने की बात समझ में आती है लेकिन इससे वे लोग प्रभावित हो रहे हैं जो अभी डिजिटल पेमेंट का उपयोग नहीं करते।

नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के अनूठे उदाहरण प्रस्तुत किये मध्यप्रदेश ने : मुख्यमंत्री

'स्वच्छता ही सेवा' अभियान में सफाई मित्रों का हो रहा सम्मान

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छ भारत मिशन को देश भर में व्यापक आंदोलन शुरू कर स्वच्छ भारत की परिकल्पना को साकार करने के जो लक्ष्य निर्धारित किये उन्हें प्राप्त करने में मध्यप्रदेश ने देश में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। स्वच्छता को सर्वोपरि मानते हुए इंदौर ने सफाई की जो अलख जगाई है, वह पूरे देश में उदाहरण बन चुकी है। इंदौर के नाम लगातार 7 बार देश को स्वच्छतम शहर बने रहने का रिकार्ड है। इंदौर ही देश का पहला वाटर प्लस शहर भी बना है और भोपाल देश की सबसे स्वच्छ राजधानी है।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव का प्रदेशवासियों से आहवान

मख्यमंत्री डॉ.यादव ने प्रदेशवासियों से आहवान किया है कि सभी नागरिक संकल्प लें की न तो वे गंदगी फैलाएंगे और न किसी को फैलाने देंगे। अपने आसपास सफाई रखेंगे और लोगों को भी सफाई के लिए प्रेरित करेंगे, तभी सच्चे अर्थों में स्वच्छता ही सेवा अभियान सफल होगा। उन्होंने कहा कि हम सबको सफाई मित्र बनकर अभियान को सफल बनाना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्म दिन 17 सितम्बर से प्रारंभ हुए स्वच्छता ही सेवा अभियान में एक बार फिर मध्यप्रदेश पूरे जुनून के साथ जूट गया है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के प्रति मंत्रीगण, जन-प्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, समाजसेवी और सामाजिक संगठनों के साथ नागरिक भी सजग होकर महती भूमिका निभा रहे हैं। प्रदेशवासियों और हमारे सफाई मित्रों को मनोबल बढ़ाने के लिये राष्टपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने भी अपने उज्जैन प्रवास के दौरान सफाई मित्रों से संवाद कर उन्हें सम्मानित किया और श्रीमहाकाल लोक परिसर में झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया।

स्वच्छता अभियान में हो रहे हैं अभिनव नवाचार

प्रदेश में 17 सितम्बर से प्रारंभ हुए स्वच्छता ही सेवा अभियान में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता की अलख जगाई जा रही है। हर स्तर पर नागरिकों को स्वच्छता संबंधी शपथ दिलाने के साथ प्रेरित भी किया जा रहा है। स्वच्छता-मित्रों को सम्मानित कर उनके हौंसले को बढ़ाना और उनके साथ सफाई कार्य करने के लिये मंत्रीगण और जन-प्रतिनिधि भी अपने-अपने क्षेत्रों में सफाई कार्य में जुटे हुए हैं। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा नगर निगम क्षेत्र में सैनिक कैंटीन से नीम चौराहा तक बोडाबाग रोड पर श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया और सफाई-मित्रों को सम्मानित किया। रीवा के शासकीय एवं निजी शालाओं में स्वच्छता व्यवहार पर केन्द्रित कार्यक्रमों का आयोजन कर नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता लाई गई। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने ग्वालियर नगर के लक्ष्मण तलैया क्षेत्र और मोनी बाबा आश्रम में झाड़ू लगाकर साफ-सफाई की और सफाई मित्रों को नगद पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया। केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ग्वालियर में बीएसएनएल कार्यालय परिसर में अधिकारी-कर्मचारी और नागरिकों को स्वच्छता की शपथ दिलवाई।

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

मां जब अपना दुख रोती थी
दुख की लय में रोती थी
दुख की अकथ-कथा में
अपना दुख बोती थी
अंसुवन जल से सींच-सींचकर
दुख की फसल काटती रहती
जिससे मन मिल जाये
उपजे दुख को उसे बांटती रहती
मन की धरती में दबे हुए थे उसके
दुख के बीज न जाने कबसे
शायद यह जीवन है जबसे
वह रोती नहीं अकेली
बैठी रहती उसके पास
कोई न कोई संग-सहेली
जैसे वह मां के दुख को सुनने आती
कभी किसी से मत कह देना
मां उसको सौगंध दिलाती
मां के दुख में कोई पड़ौसन
अपना दुख मिलाती
दुख को दुख से मिलते-मिलते
रोज़ सांझ ढल जाती
तुलसाने पर जलता दीप अकेला
लगता जैसे कांप रही हो
घर में दुख की बाती
क्या अपना दुख
दूजे के आगे रोने से कुछ घट जाता है
क्या दुख किसी का
सबके हिस्से में बंट जाता है
उमर बीत गयी मां की
दुख की लय में रोते-रोते
देखा नहीं किसी को उसके दुख को ढोते
मां जीवन से रूठ गयी
दुख के शूलों के बीच उगे फूलों-सी घर में
सुख की लय भी टूट गयी

- ध्रुव शुक्ल

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

किसी भी पत्थरबाज या आतंकी को नहीं किया जाएगा रिहा

अमित शाह बोले, कांग्रेस और नेशनल कान्फ्रेंस से पूछा सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आतंकवाद पर कड़ा रुख अपनाते हुए रविवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में किसी भी पत्थरबाज या आतंकवादी को रिहा नहीं किया जाएगा और जब तक आतंकवाद का सफाया नहीं कर दिया जाता तब तक पाकिस्तान के साथ कोई बातचीत नहीं होगी। शाह ने आतंकवाद के मुद्दे पर कांग्रेस और फारुक अब्दुल्ला को घेरा। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में आतंकवाद अब अपनी आखिरी सांसें गिन रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को बीजेपी प्रत्याशी रविंद्र रैना के समर्थन में प्रचार करने जम्मू-कश्मीर के नौशेरा पहुंचे। उन्होंने आतंकवाद का जिक्र कर जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम फारुक अब्दुल्ला और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, अब्दुल्ला साहब, आप चिंता मत कीजिए, चुनाव संपन्न होने के बाद हम लोग श्वेतपत्र लेकर आने वाले हैं, जो कांग्रेस को, आपको और मुफ्ती परिवार को पूरी तरह से एक्सपोज करेगा। आखिर आतंकवाद घाटी में कौन लेकर आया। किसकी शह पर आया। उस वक्त केंद्र में किसकी सरकार थी और घाटी में किसका शासन था। किसने आतंकवादियों के साथ बिरयानी खाई थी। यह पूरा कच्चा चिट्ठा हम खोलकर रखने वाले हैं।

अब लाल चौक पर कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता

उन्होंने आगे कहा,हाल ही में कांग्रेस के पूर्व गृह मंत्री शिंदे ने कहा था कि पहले उन्हें लाल चौक जाने से डर लगता था। अब आप देखिए देश का पूर्व गृह मंत्री लाल चौक पर जाने से डरता है। कोई बात नहीं शिंदे साहब। अपनी-अपनी फितरत होती है, लेकिन मैं अब गृह मंत्री हूं, मैं आपसे कहता हूं कि आप पोते-पोतियों के साथ लाल चौक जाइए, आपका कोई बाल भी बांका नहीं कर पाएगा।

संक्षिप्त समाचार

ममता की 2 दिन में पीएम को दूसरी चिट्ठी

- आरोप-बंगाल की बाढ़ मैन मेड, पानी छोड़ने से पहले नहीं ली सलाह

कोलकाता (एजेंसी)। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में आई बाढ़ पर पीएम मोदी को एक और लेटर लिखा है। 2 दिन के अंदर लिखी दूसरी चिट्ठी में ममता ने आरोप लगाया है कि दामोदर घाटी निगम ने उनसे सलाह लिए बिना पानी छोड़ा, जिससे बंगाल के जिले डूब गए। इससे पहले ममता ने 20 सितंबर को भी पीएम नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी थी। जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि दामोदर घाटी निगम के तहत

आने वाले बांधों से 5 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने के कारण बंगाल में बाढ़ आई है। इधर, बंगाल सरकार और केंद्र के बीच चल रही जुबानी जंग के बीच राज्य के बिजली सचिव शांतनु बसु ने बोर्ड से इस्तीफा दे दिया है। बसु के अलावा बंगाल के सिंचाई विभाग के चीफ इंजीनियर ने भी रेगुलेशन कमेटी से इस्तीफा दे दिया है। दामोदर घाटी जलाशय विनियमन समिति में केंद्रीय जल आयोग, पश्चिम बंगाल, झारखंड और दामोदर वैली निगम के प्रतिनिधि होते हैं। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री का दावा है कि बांधों से पानी छोड़ा जाना पश्चिम बंगाल सरकार के प्रतिनिधियों से परामर्श लेने, दामोदर घाटी रिजर्वायर रेग्युलेशन कमेटी की सहमति और सहयोग से किया गया था। मैं इससे असहमत हूं।

देशभर के रेलवे ट्रैक जाम करने का ऐलान

- हरियाणा में महापंचायत के बाद किसानों का फैसला

कुरुक्षेत्र (एजेंसी)। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में रविवार को हुई किसानों की महापंचायत में फैसला लिया गया है कि 3 अक्टूबर को पूरे देश में रेल ट्रैक जाम रखा जाएगा। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि हरियाणा में पंचायतें कर भाजपा की ओर से किसानों पर किए अत्याचार को याद कराया जाएगा। पंधेर ने कहा कि किसान हरियाणा में भाजपा की हार में हिस्सेदार बनेगा। किसान महापंचायत में सरवन सिंह पंधेर के साथ जगजीत सिंह डल्लेवाल, अमरजीत सिंह मोहड़ी सहित कई किसान नेता शामिल हुए। पिपली गांव में हुई महापंचायत के बाद सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि भाजपा सरकार ने जिस प्रकार के अत्याचार

किसानों पर किए हैं, अब हरियाणा में इसका बदला लेने का समय आ गया है। हम पंचायत कर हरियाणा के किसानों को याद दिला रहे हैं कि किस प्रकार से किसानों पर बल का प्रयोग किया गया और किस प्रकार से किसान शुभकरण को शहीद किया गया। पंधेर ने बताया कि 3 अक्टूबर को भारत भर में 2 घंटे के लिए रेलवे ट्रैक जाम किए जाएंगे। आने वाले समय में किसान आंदोलन को और भी गति दी जाएगी। वहीं, किसान नेता अमरजीत सिंह मोहड़ी ने कहा कि हमारे आंदोलन का उद्देश्य दूसरे राजनीतिक दलों को भी सचेत करना है कि अगर सत्ता में आने के बाद वह किसानों के साथ इस प्रकार का दुर्व्यवहार करेंगे तो किसान एकजुट होकर उनके खिलाफ भी लड़ाई लड़ेगा।

इस्तीफे पर केजरीवाल बोले-लांछन के साथ नहीं जी सकता

- ईमानदार लगूं तो वोट देना, भागवत से पूछा-मोदी के लिए 75 साल में रिटायरमेंट क्यों नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर जनसभा की। उन्होंने 2011 में हुए अन्ना आंदोलन और पहली बार चुनाव जीतने की घटना का जिक्र किया। कहा- हम पहली बार में ही ईमानदारी के दम पर सत्ता में आ गए। इस्तीफे पर केजरीवाल ने कहा- सत्ता और कुर्सी का लालची नहीं हूं। भाजपा ने भ्रष्टाचारी और चोर कहा तो दुख हुआ। लांछन के साथ कुर्सी तो क्या सांस भी नहीं ले सकता हूं, जी भी नहीं सकता। अगला दिल्ली चुनाव मेरी अग्नि परीक्षा है, अगर ईमानदार लगूं तो ही वोट देना। एएपी संयोजक ने संघ प्रमुख मोहन भागवत से 5 सवाल पूछे। कहा- जब 75 साल में लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और कलराज मिश्र जैसे नेताओं को रिटायर कर दिया तो ये नियम मोदी पर लागू क्यों नहीं। अमित शाह कह रहे हैं कि मोदी पर लागू नहीं होगा। भागवत जी जवाब दीजिए।

तिरुपति में हर रोज 8 से 9 लाख लड्डू परोसने की तैयारी

अब कर्नाटक मिल्क फेडरेशन के नए घी विक्रेता की ली जाएगी सेवा

तिरुपति (एजेंसी)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने श्री वेंकटेश्वर मंदिर में लड्डओं की गुणवत्ता को तुरंत बहाल करने का वादा किया है। बोर्ड ने कहा है कि अब लड्डुओं में इस्तेमाल होने वाले घी के लिए कर्नाटक मिल्क फेडरेशन के नए घी विक्रेता की सेवा ली जाएगी। यह फैसला उस विवाद के बाद लिया गया है जिसमें लड्डुओं में जानवरों की चर्बी पाए जाने के आरोपों से राज्य में एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया। शनिवार को टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी जे. श्यामला राव ने मीडिया से कहा, अब लड्डुओं की गुणवत्ता और उनमें इस्तेमाल होने वाले घी पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। टीटीडी ने शनिवार को अन्य प्रसादों में गाय के घी और दूध से बने उत्पादों के इस्तेमाल को अस्थायी रूप से रोक दिया है।

टीटीडी की रसोई, जिसे पोटु कहा जाता है, इसमें अब प्रसिद्ध नंदिनी ब्रांड का घी भेजा जा रहा है। नंदिनी ब्रांड कर्नाटक मिल्क फेडरेशन का प्रमुख ब्रांड है। यह ब्रांड मुख्य रूप से दूध और दूध से बने उत्पादों जैसे घी, मक्खन, दही, पनीर आदि के लिए प्रसिद्ध है। नंदिनी ब्रांड के उत्पाद कर्नाटक सहित पूरे भारत में लोकप्रिय हैं और इसकी गुणवत्ता और विश्वसनीयता के कारण उपभोक्ताओं के बीच इसकी बड़ी मांग है। यह भारत के सबसे बड़े दुग्ध उत्पादक संघों में से एक है।

7-8 लाख भक्तों के आने की संभावना

हमें घी की आपूर्ति को लेकर किसी संकट की आशंका नहीं है। मंदिर के रसोई प्रभारी मुनी रत्नम ने बताया कि धार्मिक कार्यक्रम के दौरान मंदिर रोजाना 8-9 लाख लड्डुओं का स्टॉक बनाए रखता है। ब्रह्मोत्सवम के दौरान मंदिर में 7-8 लाख भक्तों के आने की संभावना है, और लड्डुओं के लिए घी का पर्याप्त स्टॉक तैयार किया जा रहा है। टीटीडी ने शनिवार को अन्य प्रसादों, जिन्हें श्रीवारी प्रसादम कहा जाता है, उसके लिए गाय के घी-आधारित उत्पादों का उपयोग अस्थायी रूप से रोक दिया। सूत्रों के अनुसार, टीटीडी की एक समिति ने मुफ्त भोजन या अन्न प्रसादम की तैयारी में इस्तेमाल किए जाने वाले कच्चे माल की गुणवत्ता में कमी पाई, जिसके बाद सभी आपूर्तियों को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है।

शुभंकर सरकार बंगाल कांग्रेस के नए अध्यक्ष

- अधीर रंजन की जगह चुने गए, जम्मू-कश्मीर में भी 2 कार्यकारी अध्यक्ष बनाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में बड़ा फेरबदल करते हुए शुभंकर सरकार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बना दिया है। फिलहाल वे ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के सचिव थे। उनके पास अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और मिजोरम राज्यों की

जिम्मेदारी थी। अब वे अधीर रंजन चौधरी की जगह बंगाल के प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए हैं। पश्चिम बंगाल के अलावा कांग्रेस ने जम्मू कश्मीर में भी दो कार्यकारी अध्यक्षों को अपॉइंट किया है। इनमें एमके भारद्वाज और भानु महाजन का नाम शामिल है। शुभंकर सरकार कांग्रेस से लंबे समय से जुड़े हैं। 2013 से 2018 तक कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव और ओडिशा राज्य प्रभारी रहे। उन्होंने पार्टी के भीतर भी कई जिम्मेदारियां निभाईं। 30 अगस्त 2024 को वे कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव बने।

ईसा मसीह के शहर नाजरेथ पर बड़ा हमला

हिजबुल्लाह के अटैक से हिल गया इजरायल, पहली बार अंदर तक मारे रॉकेट

तेल अवीव (एजेंसी)। इजरायली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने पुष्टि की है कि मौजूदा युद्ध शुरू होने के बाद हिजबुल्लाह ने इजरायल पर अपना सबसे खतरनाक हमला किया है। रविवार की सुबह के शुरुआती घंटे में जेजेरेल घाटी में 140 से ज्यादा रॉकेट और ड्रोन के चार राउंड दागे गए। हाइफा, रमत डेविड हवाई अड्डे, नाजरेथ, अफुला, निचली गलील और यिज्रेल घाटी के आसपास अलर्ट जारी हुआ। हमले के बाद आईडीएफ ने कहा कि वे लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमले कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इजरायल ने 400 रॉकेट से पलटवार किया है। इजरायल ने ट्वीट कर कहा,ईसा मसीह के गृहनगर नाजरेथ पर हिजबुल्ला ने हमला किया। मेडिकल सेंटर ने घोषणा की कि उत्तरी इजरायल में आग के कारण छह लोग

घायल हो गए। इजरायली रेडियो और सरकारी मीडिया ने बताया कि हिजबुल्लाह ने युद्ध में पहली बार विशेष रूप से हाइफा के पास रामत डेविड बेस को निशाना बनाया। हिजबुल्लाह ने भी कहा कि उसने कमांडर की मौत का बदला लेने के लिए इजरायली वायु सेना के हमलों के जवाब में रामत डेविड बेस और हवाई अड्डे पर हमला किया। आम तौर पर इजरायल के इतने अंदर तक हिजबुल्लाह हमला नहीं करता है। हिजबुल्लाह का एक रॉकेट नाजरेथ पर गिरा।

कुछ बड़ा होने वाला है, जल्दी लेबनान छोड़ो

अमेरिका समेत कई देशों का अपने नागरिकों को अलर्ट

बेरूत (एजेंसी)। हिजबुल्लाह आतंकियों पर इजरायल के बढ़ते हमलों के बीच अमेरिका, फ्रांस, कनाडा और ब्रिटेन की सरकारों ने लेबनान में रह रहे अपने नागरिकों को सलाह दी है कि जितना जल्दी हो सके, देश छोड़ दें। अमेरिकी विदेश विभाग ने आग्रह किया है कि जब तक हवाई उड़ान उपलब्ध हैं, लेबनान खाली कर दें। कुछ दिन में सुरक्षा स्थिति बहुत खराब हो सकती है। कुछ दिन पहले लेबनान पर इजरायल ने हवाई हमले में हिजबुल्लाह के टॉप कमांडर अहमद वाहबी समेत कई लोगों को मार डाला था। बेरूत में इजरायली हमले में मरने वालों की संख्या 37 हो गई है। हफ्ते भर पहले इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने युद्ध कैबिनेट में ऐलान किया था कि हमास के बाद अब हिजबुल्लाह से सीधी टक्कर का समय आ गया है। उन्होंने लेबनान से मिलती उत्तरी क्षेत्र में लोगों को फिर से बसाने और हिजबुल्लाह पर हमले तेज करने का ऐलान किया था। इसके बाद से हिजबुल्ला पर लगातार हमले हो रहे हैं। पेजर और वॉकी-टॉकी अटैक में कई हिजबुल्ला कमांडरों को इजरायल मौत की नींद सुला चुका है। उस हमले में 4 हजार घायल भी हैं।

केरल में रिंसन जोस के घर पहुंची पुलिस

- लेबनान पेजर धमाके में आ चुका है नाम, जांच जारी

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। लेबनान में हुए हालिया पेजर धमाकों की जांच के दौरान नॉर्वे में रहने वाले केरल के मूल निवासी रिंसन जोस का नाम सामने आने संबंधी खबरों के बीच राज्य की पुलिस ने रविवार को उसकी पारिवारिक पृष्ठभूमि की पड़ताल करने की पुष्टि की। वहीं भाजपा के एक नेता ने उसे देश का बेटा बताते हुए सुरक्षा देने की मांग की। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है और न ही जांच शुरू की गई है। हमारी विशेष शाखा के अधिकारियों ने पृष्ठभूमि की पड़ताल की है। इसमें कुछ भी नया नहीं है। ऐसी जांच तब की जाती है जब ऐसी खबरें सामने आती हैं। पुलिस के एक और अधिकारी ने कहा कि खबरें सामने आने के बाद, मनंतवाड़ी के निकट एक इलाके में ऐहतियाती गश्त शुरू की गई है, जहां उसका परिवार रहता है। उन्होंने कहा कि उसके परिवार ने पुलिस से सुरक्षा की मांग नहीं की है। एक दशक पहले नौकरी के लिए विदेश गया रिंसन अब नॉर्वे का नागरिक है। इस बीच, भाजपा के एक नेता संदीप जी. वारियर ने रिंसन के परिवार को सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की है। भाजपा की राज्य समिति के सदस्य वारियर ने कहा कि वह हमारे देश का बेटा है। वह मलयाली है।

बिहार में बाढ़ से रेल पर आफत, पुल पर चढ़ा पानी

- कई ट्रेनें की गईं रद्द और कुछ ट्रेनों के बदले रूट

पटना (एजेंसी)। पूर्व मध्य रेलवे के सुल्तानगंज और रतनपुर स्टेशन के बीच रेलवे के एक पुल के ग्रिडर तक बाढ़ का पानी पहुंच जाने के कारण जमालपुर-भागलपुर रेलखंड से गुजरने वाली कई ट्रेन रद्द कर दी गई, जबकि कई अन्य के मार्ग में

बदलाव किया गया। पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) सरस्वती चंद्रा की ओर से रविवार को जारी एक बयान के मुताबिक, जमालपुर-भागलपुर रेलखंड के सुल्तानगंज और रतनपुर स्टेशन के बीच पुल संख्या 195 के ग्रिडर तक बाढ़ का पानी पहुंच जाने से रात 23.45 बजे से इस रेलखंड पर ट्रेन परिचालन बाधित है।

जमालपुर-भागलपुर रेलखंड से गुजरने वाली कई ट्रेन रद्द कर दी गई हैं, जबकि कई के मार्ग में बदलाव किया गया है।

भगवान से क्षमा मांगी उपवास भी रख रहा हूं

तिरुपति लड्डू विवाद पर बोले आंध्र डिप्टी सीएम

हैदराबाद (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर (तिरुपति मंदिर) में प्रसादम (लड्डुओं) में जानवरों की चर्बी मामले में आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने कहा- जब हिंदू मंदिरों को अपवित्र किया जाता है तो हमें चुप नहीं रहना चाहिए। अगर ऐसा मस्जिदों या चर्चों में होता तो देश में गुस्सा भड़क उठता। पवन कल्याण ने रविवार से 11 दिनों की प्रायश्चित दीक्षा की शुरुआत की। इस दौरान वह उपवास करेंगे। पवन ने कहा, मुझे अफसोस है कि मैं मिलावट के बारे में पहले क्यों नहीं पता लगा पाया। मुझे दुख हो रहा है। इसके लिए प्रायश्चित करूंगा। पवन कल्याण ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, पवित्र माने जाने वाले तिरुमाला लडडू प्रसादम को जगन रेड्डी की सरकार की भ्रष्ट नीतियों के कारण अपवित्र कर दिया गया है। इस पाप को शुरू में न पहचान पाना हिंदू जाति पर एक कलंक है। जिस पल मुझे पता चला कि लड्डू प्रसादम में जानवरों की चर्बी हैं, मैं हैरान रह गया। खुद को दोषी महसूस कर रहा हूं। चूंकि मैं लोगों के कल्याण के लिए लड़ रहा हूं, इसलिए मुझे दुख है कि मैं इसे पहचान क्यों नहीं पाया। पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के खिलाफ केस दर्ज आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी और अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। उन पर श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर की पवित्रता को नुकसान पहुंचाने और प्रसिद्ध तिरुपति लड्डू प्रसादम में इस्तेमाल किए जाने वाले घी में मिलावट के आरोपों के बाद हिंदू धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया गया है।

इंदौर में इस माह लगातार बढ़ रहा तापमान

दिन का पारा 32 डिग्री से ज्यादा ; लोग उमस से परेशान, आज भी तेज धूप

इंदौर (नप्र)। इंदौर में रविवार सुबह से तेज धूप थी। इसके साथ ही काफी उमस है। अभी कोई स्ट्रॉन्ग सिस्टम नहीं बनने से फिलहाल बारिश के आसार नहीं हैं। इन दिनों दिन और रात का तापमान में लगातार इजाफा है। इस कारण उमस भी काफी है लोग परेशान हैं।मौसम वैज्ञानिक अभिजीत चक्रवर्ती ने बताया कि 23 सितंबर से लो प्रेशर एरिया की एक्टिविटी देखने को मिलेगी। इसके बाद कई स्थानों पर बारिश का दौर शुरू हो जाएगा, जो सितंबर के आखिरी सप्ताह तक बना रहेगा। इंदौर में अभी बारिश के आसार नहीं हैं।इसके पूर्व शुक्रवार को दिन का तापमान 32.2 (+1) डिग्री और रात का तापमान 22.2 (+1) डिग्री सेल्सियस था फिर शनिवार को इसमें और इजाफा हुआ। दिन का तापमान 32.6 (+12) डिग्री और रात का तापमान 23.2 (+2) डिग्री सेल्सियस रहा। तीन दिनों से बूंदाबांदी भी नहीं हुई है। अभी दिन और रात का तापमान औसत से 2 डिग्री ज्यादा होने से काफी गर्मी का अहसास हो रहा है।

कूकर फटने से घायल वृद्धा की मौत

बेटे ने कहा चेहरा झुलस गया था, एक दिन बाद दम तोड़ा

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के लसूड़िया इलाके में रहने वाली वृद्धा की हादसे में मौत हो गई। वह कूकर फटने के दौरान घायल हुई थी। लसूड़िया टीआई तारेश सोनी के मुताबिक दीपमाला (68) पति अनिल कुमार गीते निवासी पेरेडाइज टाउनशिप, निपानिया को 20 सितंबर को चोइथराम अस्पताल में भर्ती कराया।बेटे अनुराग ने बताया कि हादसे के वक्त वे किचन में काम कर रही थीं। तभी कूकर में ब्लास्ट हो गया। इससे वे घायल होने के साथ झुलस गई थीं। एक दिन के उपचार के बाद रविवार को उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

कॉलेज छात्रा से छेड़छाड़, पुलिस ने पकड़ा

हाथ पकड़कर तो चिल्लाई छात्रा, थाने पहुंचकर शिकायत की

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के छत्रीपुरा में रहने वाली एक कॉलेज की छात्रा से छेड़छाड़ और धमकाने का मामला सामने आया है। आरोपी अपने चाचा की दुकान पर बैठकर पीड़िता पर नजर रखता था। उसके घर से निकलते ही पीछा करने लग जाता था।छत्रीपुरा पुलिस के मुताबिक पीड़िता बीकॉम फर्स्ट ईयर की छात्रा है। उसकी शिकायत पर पुलिस ने कान्हा टांक निवासी इंदिरा नगर पर छेड़छाड़ और धमकाने का केस दर्ज किया है। छात्रा ने बताया कि कान्हा उसे कुछ समय से परेशान कर रहा है।कॉलोनी में कान्हा का चाचा सैलून है। कान्हा वहां आकर बैठ जाता है। दुकान से मुझ पर नजर रखता है। घर से निकलते ही वह पीछा करता है। शनिवार को भी कान्हा ने पीछा किया। उसने हाथ पकड़ लिया। धमकी दी कि बात नहीं की तो ठीक नहीं होगा।छात्रा ने शोर मचाया तो कान्हा मौके से भाग गया। इसके बाद दुकानदार के मोबाइल से छात्रा ने घर पर जानकारी दी। छात्रा की मां उसे लेने पहुंची। छात्रा ने बताया कि आरोपी की हरकतों के चलते वह कॉलेज भी नहीं जा पाती। पुलिस ने शिकायत के बाद कान्हा पर केस दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है।

इंदौर के मुद्रा विद्वान का लखनऊ में सम्मान

अवध मुद्रा उत्सव में गिरीश शर्मा आदित्य ने गुप्त काल के सिक्कों की दी जानकारी

इंदौर (एजेंसी)। लखनऊ में हाल ही में आयोजित मुद्रा उत्सव में देश के प्रसिद्ध मुद्रा विद्वान इंदौर के गिरीश शर्मा आदित्य का विशेष सम्मान किया गया। इस दौरान अमेरिका के संग्राहक संजीव कुमार शिवलिं की नई पुस्तक गुप्त काल के सिक्के का लोकार्पण भी किया गया।आयोजक समिति के अध्यक्ष रण विजय सिंह ने बताया कि इस मौके पर देश के वरिष्ठ मुद्रा साधक प्रोफेसर थपलियाल, प्रशांत श्रीवास्तव, प्रो. दीनबंधु पांडेय, दिलीप राजगीर, गिरीश शर्मा आदित्य का विशेष रूप से सम्मान किया गया। इस दौरान हुई व्याख्यानमाला में गुप्त काल की मुद्राओं के बारे मे 10 वक्ताओं ने विचार एवं शोध प्रस्तुत किए। गिरीश शर्मा ने गुप्त काल के गरीब, मजदूर और किसानों के लिए प्रचलित चांदी, तांबा और लेड धातुओं के दुर्लभ सिक्कों के चित्र प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में कई विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी बडी संख्या में उपस्थित रहे।

विजयवर्गीय का दावा-सदस्यता अभियान में इंदौर-1 देश में नंबर वन

इंदौर (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के देश भर में जारी सदस्यता अभियान को लेकर मप्र के नगरीय प्रशासन मंत्री और बीजेपी के कद्दावर नेता कैलाश विजयगर्वीय ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हमें इस बात का गर्व है कि सदस्यता अभियान में इंदौर एक नंबर विधानसभा पूरे देश में नंबर वन है। विजयवर्गीय का दावा है कि इंदौर-1 विधानसभा ने सदस्य बनाने का टारगेट पूरा कर लिया है। इंदौर-1 में लक्ष्य से 9 प्रतिशत ज्यादा यानी 109 प्रतिशत सदस्य अभी तक बन चुके है। वहीं 45 प्रतिशत नए सदस्यों के साथ इंदौर-5 सबसे पीछे है। मप्र में सदस्यता अभियान जब से शुरू हुआ है तब से ही इंदौर-1 और इंदौर-2 विधानसभा आगे चल रही है। इंदौर-1 विधानसभा में अभी तक 91 हजार से ज्यादा सदस्य बन चुके हैं।

इंदौर-2 को 78 हजार सदस्य बनाने का टारगेट दिया गया था और शनिवार शाम तक 69 हजार 861 सदस्य बना लिए हैं। सदस्यता बनाने के मामले में इंदौर-1 और इंदौर-2 विधानसभा तीन सितंबर से ही मप्र के टॉप-10 विधानसभा में शामिल है। जबकि इंदौर की अन्य कोई विधानसभा प्रदेश की टॉप-10 लिस्ट में शामिल नहीं हो पाई है। इंदौर की 9 विधानसभा में से 1 और 2 को छोड़कर अन्य सभी विधानसभा सदस्य बनाने के टारगेट को पूरा करने में पिछड़ी हुई है। इंदौर की 7 विधानसभाओं की पिछड़ी हुई स्थिति को देखकर 11 दिन पहले यूपी के मंत्री और बीजेपी मप्र के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने रात को बीजेपी कार्यालय पर बैठक

टारगेट से 9 प्रतिशत ज्यादा नए सदस्य बने, इंदौर-5 सबसे पीछे

लेकर कहा था कि इंदौर में बीजेपी के सदस्यता अभियान की हालत चिंताजनक है।रात में बैठक के दौरान मंत्री सिंह ने शहर में चल रहे सदस्यता अभियान को लेकर चिंता जताते हुए कहा था कि अभी तक इंदौर 1 और इंदौर 2 विधानसभा ही अव्वल है। बाकी विधानसभाओं में ठंडा काम चल रहा है, इसमें तेजी लाने की जरूरत है।वहीं पिछले हफ्ते कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल होने इंदौर आए प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने भी चेतावनी देते हुए कहा था कि मैदान में नहीं उतरने और अधिक सदस्य नहीं बनाने के चलते कई मंत्री और विधायक अपना विधानसभा चुनाव हार गए थे। इसलिए सदस्य बनाना और बूथ स्तर पर काम करना सबसे जरूरी है।

इंदौर सदस्यता अभियान के प्रभारी बोले- हम सभी विधानसभा में टारगेट से ज्यादा सदस्य बनाएंगे- इंदौर सदस्यता अभियान के प्रभारी सुदर्शन गुप्ता का सदस्यता अभियान को लेकर कहना है कि सभी जनप्रतिनिधि सदस्यता अभियान में सक्रियता से काम कर रहे है। हमारे कार्यकर्ता पूरी मेहनत से सदस्यता अभियान में लगे हुए हैं। इंदौर सदस्य बनाने में सबसे आगे रहेगा। इंदौर की सभी विधानसभा अपने टारगेट से ज्यादा सदस्य बनाएगी।

इंदौर 1 में 2024 चुनाव में मिले वोट से ज्यादा सदस्य बनाने का लक्ष्य

बीजेपी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार टीम विजयवर्गीय इंदौर-1 को मप्र में सबसे ज्यादा सदस्य बनाने के लिए काम कर रही है। बताया जा रहा है कि विजयवर्गीय की टीम ने लक्ष्य रखा है कि जितने वोट 2024 के चुनाव में बीजेपी को मिले थे इससे ज्यादा सदस्य इंदौर-1 से बनाए जाए।बता दें कि 2024 के चुनाव में इंदौर 1 को 1 लाख 35 हजार 664 वोट मिले थे। इंदौर नगर बीजेपी के मीडिया प्रभारी रितेश तिवारी ने बताया कि इंदौर नगर को 4 लाख 11 हजार सदस्य बनाने का अभियान मिला है। जिसमें से अभी तक 3 लाख 3 हजार 872 से ज्यादा सदस्य बनाए जा चुके है।सदस्यता अभियान को बीजेपी ने इतने गंभीरता से लिया हुआ है कि पिछले दिनों इंदौर आए प्रदेश संगठन मंत्री हितानंद शर्मा ने बीजेपी कार्यकर्ताओं के घर जाकर सदस्यता दिलाई थी।

नो कार डे, ई-बाइक से ऑफिस पहुंचे कलेक्टर

मेयर ने किया ई साइकिल, स्कूटर और बस का सफर; बीआरटीएस पर नो कार लेन

इंदौर (एजेंसी)। 22 सितम्बर को नो कार डे के अवसर पर बीआरटीएस लेन कारों से मुक्त रहा। नागरिकों की सुविधा के लिए नगर निगम और एआईसीटीसीएल द्वारा बीआरटीएस के पूरे मार्ग पर पब्लिक ट्रांसपोर्ट के साथ ही माय बाइक और ई रिक्शा उपलब्ध हैं।रविवार सुबह कलेक्टर आशीष सिंह ई बाइक पर हेलमेट लगाए कलेक्टोरेट पहुंचे थे। मेयर पुष्यमित्र भार्गव भी सुबह 9.30 बजे अपने निवास सुदामा नगर से इलेक्ट्रिक साइकिल के साथ पलासिया पहुंचे थे, उनके साथ साइकिल राइडर्स भी शामिल थे। इसके बाद उन्होंने ई स्कूटर पर पत्रीक सफर किया। बाद में उन्होंने एमआईसी सदस्यों के साथ बस में सफल किया। उन्होंने अपील की है कि 22 सितम्बर को पर्यावरण संरक्षण के साथ ही वायु गुणवत्ता सुधार में कार्य में सहयोग करें। नगर निगम और एआईसीटीसीएल द्वारा बीआरटीएस के निरंजनपुर चौराहा, स्कीम नंबर 78 चौराहा, शालीमार टाउनशिप, सत्य सांई चौराहा, विजय नगर चौराहा, रसोमा चौराहा, सी 21 मॉल, एमआर-9 चौराहा, एलआई चौराहा, इंडस्ट्री हाउस चौराहा, गिटार वाला चौराहा, पलासिया चौराहा, गीता भवन चौराहा, शिवाजी वाटिका चौराहा, जीपीओ चौराहा, नेहरू स्टेडियम चौराहा, नौलखा चौराहा, भंवरकुआं चौराहा, विष्णुपुरी चौराहा और राजीव गांधी चौराहे पर पब्लिक ट्रांसपोर्ट के साथ ही माय बाइक ई रिक्शा उपलब्ध रहेगी।शहर के मध्य क्षेत्र और प्रमुख मार्ग बीआरटीएस पर विभिन्न गतिविधियां संचालित की जाएगी। दिन में नवलखा चौराहा पर बैंड, नुक्कड़ नाटक, शिवाजी वाटिका पर ओपन और कैनवास, पलासिया चौराहा पर नुक्कड़ नाटक, एलआईजी चौराहा पर फ्लैश माब, एमआर- 9 चौराहे पर बैंड और नुक्कड़ नाटक और विजयनगर चौराहे पर बैंड नुक्कड़ नाटक और अन्य गतिविधियां होंगी।

बर्थडे मनाकर लौट रहे परिवार पर चाकुओं से हमला

पथराव भी किया, दो घायल, पत्नी की शिकायत पर चार पर केस दर्ज

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के चंदन नगर में शनिवार देर रात चाकूबाजी की वारदात हो गई। अपनी बेटी का बर्थडे मनाकर लौट रहे कार सवार परिवार पर बदमाशों ने चाकू से हमला कर दिया। फिर पथराव किया। दो कारें भी फोड़ दीं। इसमें एक अन्य बुजुर्ग घायल हुए हैं। पुलिस ने मामले में

केस दर्ज किया है। चंदन नगर पुलिस के मुताबिक निकिता पति अलकेश गवली की शिकायत पर पुलिस ने रोहित, पार्थ, भोला उर्फ आयुष और जितेन्द्र पर चाकूबाजी, पथराव और गाड़ियों में तोड़फोड़ करने के मामले में केस दर्ज किया है। निकिता ने पुलिस को बताया की शनिवार को उनकी बेटी जाह्नवी का जन्मदिन था। जिसमें सास, ससुर, पति व दोनों बेटियां होटल में खाना खाने गए थे। लौटते समय रास्ते में आरोपी खड़े मिले। जिससे हमें कार निकालने में दिक्कत हो रही थी। तभी पति ने कार से हॉर्न दिया। इसके बाद भी बदमाश नहीं हटे तो पति ने कार की विंडो खोलकर उन्हें हटने के लिये कहा। दो तीन बार कहने के बाद भी वे नहीं हटे और गुस्से में कहने लगे की साइड से कार निकालो। इसके बाद उन्होंने पति के साथ मारपीट की। पति ने बचाव किया तो पार्थ ने चाकू निकाला और पति पर दो से तीन वार किए। इस दौरान ससुर उनकी तरफ बढ़े और आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। तो आरोपियों ने पथराव कर दिया। एक पत्थर ससुर के सिर में लगा और वे घायल हो गए। इस घटनाक्रम के दौरान कार में बैठी बच्चयां डर गईं और रोने लगी। उन्होंने नजदीक ही खड़ी राकेश सोलंकी की कारण पर भी पत्थर फेंके। यहां से वे चाकू लहराते हुए भाग निकले।

ड्रेनेज घोटाला: निलंबित ऑडिट विभाग के कर्मचारी को जारी किया आरोप पत्र

इंदौर (एजेंसी)। ऑडिट विभाग के निलंबित कर्मचारी को काम में लापरवाही व अनुशासनहीनता करने के साथ अफसरों को धमकाने संबंधी आरोप पत्र दिया गया है। इसे लेकर कर्मचारी ने दो दिन पूर्व ही अपना जवाब पेश किया है। अब भोपाल के ऑडिट विभाग के अफसर जवाब का परीक्षण कर आगे की कार्यवाही करेंगे। असल में कर्मचारी द्वारा नगर निगम के ड्रेनेज घोटाले में पुलिस व ईडी की कार्यवाही का विरोध करते हुए सवाल भी खड़े किए थे।ऑडिट विभाग के स्थानीय कार्यालय में पदस्थ सहायक ग्रेड-3 कर्मचारी रमेश पाल को संचालनालय स्थानीय निधि संपरीक्षा प्रकोष्ठ भोपाल द्वारा 9 सितंबर 2024 को पांच आरोप के साथ आरोप पत्र सौंपा है। इसमें जो आरोप लगाए गए हैं, उसके मुताबिक कार्यालय के गोपनीय पत्र लेने से इनकार करना, पत्राचारों का जवाब नहीं देना, कर्मचारियों व अफसरों को डराना व धमकाना, दफ्तर

के दरवाजे पर पोस्टर चिपकाना और कोर्ट के समन को संबंधित व्यक्ति को देने के बजाय कर्मचारियों के ग्रुप पर पोस्ट करना जैसे आरोप शामिल हैं। पाल पर कार्रवाई को लेकर पूर्व में 10 आरोप पत्र के लिए प्रस्ताव भेजा गया। विभाग द्वारा पूर्व में ही निलंबित कर दिया था और वह वर्तमान में रीवा में पदस्थ है।

जवाब का करवा रहे परीक्षण- ऑडिट विभाग के एडिशनल डॉयरेक्टर आरएस कटारा का कहना है कि संबंधित कार्यालय द्वारा कर्मचारी के खिलाफ 10 आरोप पर कार्रवाई के लिए प्रस्ताव भेजा था। हमारी जांच में पता चला कि पांच आरोप तथ्यात्मक नहीं थे।

इंदौर में टैटू आर्टिस्ट के आईडिया से पकड़ाया चोर

टैटू मशीन चोरी होने पर सोशल मीडिया में मदद मांगी, 56 दुकान पर बेचने पहुंचा था

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के पलासिया इलाके के एक टैटू स्टूडियो से टैटू मशीन चोरी होने के बाद आर्टिस्ट ने सोशल मीडिया पर मदद मांगी। चोरी के 5 दिन बाद बाद 56 दुकान में मशीन बेचने पहुंचा। आर्टिस्ट को उसके परिचितों ने जानकारी दी। इसके बाद चोर को पकड़कर पुलिस के सुपुर्द किया गया।पलासिया पुलिस ने घनश्याम माधव की शिकायत पर शंभु पुत्र पंजापराव निवासी नानाजी का बाड़ा विकास नगर, एमआईजी को पकड़ा है। घनश्याम ने बताया कि वह टैटू आर्टिस्ट है। पलासिया-गीता भवन के बीच वन टच टैटू नाम से स्टूडियो चलाता है।17 तारिख को वह स्टूडियो जाने के बाद किसी काम से बाहर गया। वापस आने के बाद स्टूडियो बंद किया और घर चला गया। दूसरे दिन सुबह 11 बजे स्टूडियो खोला तो वहां मशीन नही थी। जिसे लेकर सोशल मीडिया और कई वॉट्सऐप ग्रुप पर मैसेज किए।इस दौरान कई टैटू आर्टिस्ट को भी घटना की जानकारी दी। शनिवार को परिचित भावेन पटेल ने फोन पर किसी व्यक्ति द्वारा टैटू मशीन मार्केट में बेचने की जानकारी दी गई। सूचना पर घनश्याम उसके दोस्त के साथ वहां पहुंचा तो मशीन उसकी ही निकली। इसके बाद पूछताछ में शंभु ने चोरी की बात कही। इसके बाद थाने आकर आरोपी को पुलिस के सुपुर्द किया गया।

सुपरवाइजर का बैग उड़ाया, बाइक से हुई पहचान

गांधी नगर इलाके में आरोपियों ने एक सुपर वाइजर का बैग बाइक से चुरा लिया। बाइक नंबर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की शिनाख्त की। पुलिस ने मामले में संदिग्ध लोगो को हिरासत में लिया है।गांधी नगर पुलिस के मुताबिक अर्जुन चौहान की शिकायत पर पुलिस ने पल्सर बाइक नंबर खिलाफ चोरी का केस दर्ज किया है। बाइक नंबर के आधार पर पुलिस ने इसमें आरोपियों की शिनाख्त की।

कॉलेज छोड़ने पर मेडिकल स्टूडेंट से मांगी 30 लाख पेनाल्टी

इंदौर एमजीएम ने डॉक्यूमेंट्स नहीं लौटाए तो हाईकोर्ट गया; बोला- रैगिंग से परेशान था

इंदौर (एजेंसी)। मैं डिप्रेशन-एंग्जाइटी की दवाइयां लेने लगा था। सोचा कि ऐसी डिग्री का क्या फायदा जिसे दवाइयां लेकर पूरी करना पड़े। एमजीएम मेडिकल कॉलेज में रेजिडेंट डॉक्टरों की हालत कोई बहुत अच्छी नहीं है। शिकायत के लिए डीन से मिलना भी इतना आसान नहीं है। ड्यूटी के नाम पर रैगिंग की जाती है।मैंने एक बार लगातार 40 घंटे के ऊपर काम किया था। तब मैंने सिर पकड़ लिया था। सोचने-समझने की शक्ति खत्म हो जाती है। ये भी टेंशन रहता है कि कल सुबह दोबारा ड्यूटी पर जाना है। महिला-पुरुष कोई भी स्टूडेंट हो सभी के लिए ड्यूटी के घंटे इतने ही रहते हैं। महिला डॉक्टर भी परेशान रहती हैं। लेकिन सभी को कोर्स पूरा करना होता है। 30 लाख पेनाल्टी के कारण सब कुछ सहते हैं।ये आपबीती है मेडिकल स्टूडेंट प्रभात कुमार की। उन्हें ऑल इंडिया कोटे में 2022 में एमजीएम मेडिकल कॉलेज में पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स पीडियाट्रिक (एमडी) सीट अलॉट हुई थी। एमजीएम कॉलेज में जब सहनशक्ति जवाब दे गई तब प्रभात ने पिछले साल कोर्स बीच में ही छोड़ दिया।प्रभात ने कॉलेज से ओरिजिनल डॉक्यूमेंट मांगे, लेकिन मैनेजमेंट ने पेनाल्टी के तौर पर 30 लाख रुपए की डिमांड की। इस पर उसने हाईकोर्ट में याचिका लगाई। हाईकोर्ट के आदेश के बाद कॉलेज ने सभी डॉक्यूमेंट्स लौटाए और एनओसी दी।

बर्दाश्त के बाहर स्थिति हो गई तब कोर्स छोड़ने का फैसला लिया

मैंने ऋषिकेश से एमबीबीएस किया था। फिर एमजीएम मेडिकल कॉलेज इंदौर में साल 2022 में अक्टूबर-नवंबर के आसपास एडमिशन लिया था। जुलाई 2023 में मुझे मजबूरन सीट छोड़ना पड़ी। सीट छोड़ने का सबसे बड़ा कारण ड्यूटी टाइम का ज्यादा होना था। लगातार 36-40 घंटे तक ड्यूटी रहती थी। फिर ऑल्टरनेट ड्यूटी होती थी। फिजिकली और मेंटली फोकस नहीं रह पाते हैं। लगातार ड्यूटी करने से मेरी हेल्थ और मानसिक स्थिति पर असर पड़ने लग गया था। मैं डिप्रेशन में चला गया था।मैंने डॉक्टर को दिखाया तो उनका कहना था कि इतना प्रेशर हैंडल नहीं

कर सकते तो कोर्स डिस्कंटीन्यू करने का सोचना चाहिए। या फिर किसी तरह से कोर्स को कम्प्लीट करने की कोशिश करें। जब बहुत खराब स्थिति बन गई तब मुझे लगा कि डिग्री से जिंदगी ज्यादा प्यारी है। मैंने डिग्री के बजाय अपना जीवन चुना।ड्यूटी चार्ट में 12 घंटे ड्यूटी लिखी रहती है। सरकार कहती है कि किसी भी रेजीडेंट से 12 घंटे से ज्यादा काम मत करवाइए, लेकिन प्रैक्टिकली ये फॉलो नहीं होता है। मेन पावर ज्यादा नहीं होने पर इसका पालन नहीं पाता। हम लोग पूरा सपोर्ट भी करते हैं। ज्यादा से ज्यादा टाइम देने में पूरी जान लगा देते हैं। आखिरकार हम भी तो इंसान ही है। हमारी भी सहन करने की एक सीमा है।

बिना रेस्ट काम करवाया जाने लगा, तब डिसीजन लिया

एमडीएम मेडिकल कॉलेज में ड्यूटी का थोड़ा कॉम्प्लेक्स सिस्टम था, क्योंकि यहां पीडियाट्रिक की तीन अलग-अलग बिल्डिंग है। एक चाचा नेहरू, एमवाय में है और एमटीएच है। रेजीडेंट डॉक्टर पहले ही डिवाइड रहते थे। हर जगह ड्यूटी टाइम 36 घंटे का रहता था। ये कम से कम था। लेकिन बाद में बिना रेस्ट के लगातार काम करवाया जाने लगा। नींद पूरी नहीं हो रही थी।मैं या मेरे साथ वाले डॉक्टर जब कोर्स छोड़ने के बारे में सोचते थे तो उन्हें 30 लाख रुपए दिखते थे। क्योंकि सीट खाली करने पर पेनाल्टी मांगी जाती है। इतने रुपए कहां से लाएंगे। कैसे देंगे। जब मुझे और मेरे घर वालों को लगा कि अब बहुत ज्यादा हो गया। तब कोर्स को छोड़ने का फैसला लिया।नियमों का पालन होना चाहिए, क्योंकि जब डॉक्टर की हेल्थ ठीक रहेगी। तभी वह मरीजों का इलाज कर पाएगा। एक गलत डिसीजन करियर खत्म कर सकता है। सामने वाले की जिंदगी का सवाल रहता है।

भाई साथ रहता ताकि गलत कदम न उठा लूं

जब घर में कॉलेज के हालात बताए तो पापा ने कहा कि फैसला ले लो। मैं साथ हूं। रुपए उधार लेकर पेनाल्टी दे देंगे। भाई अपना काम छोड़कर मेरे साथ इंदौर में रहने लगा। घरवालों को डर था कि मैं कोई गलत कदम न उठा लूं। नेगेटिव विचार आते हैं। कोर्स छोड़कर कहीं भी प्रैक्टिस नहीं कर सकते। सभी जगह डॉक्यूमेंट लगते हैं। बिना डॉक्यूमेंट के प्रैक्टिस करना गैर कानूनी है। अरेस्ट हो सकते हैं।प्रभात की मां ने बताया, बेटे ने कहा था कि मुझे यहां से ले जाओ। हमने उसे समझाया कि हो सके तो कोर्स पूरा कर लो, लेकिन वो बहुत परेशान हो गया था। इस उसे वापस बुला लिया।

संपादकीय

जज की टिप्पणी- सुको का सही संज्ञान

कनार्टक हाइकोर्ट के जस्टिस वेदव्यासचार श्रीशानंद की विवादास्पद टिप्पणी का गंभीर संज्ञान लेकर कि सुप्रीम कोर्ट ने सही कदम उठाया है। इस मामले की सुनवाई अभी चल रही है, लेकिन एक लोकतांत्रिक देश में एक जिम्मेदार न्यायाधीश द्वारा धार्मिक घृणा के आधार पर की गई टिप्पणी पर सर्वोच्च अदालत को सख्त कदम उठाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में कर्नाटक हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल से भी रिपोर्ट मांगी है। जस्टिस श्रीशानंद की विवादास्पद टिप्पणी पर स्वतः संज्ञान लेते हुए सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अगुआई वाली पांच जजों की बेंच ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी से कहा, ÷हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल से रिपोर्ट मांगने के बाद हम इस बारे में कुछ बुनियादी दिशानिर्देश तय कर सकते हैं। चीफ जस्टिस से प्रशासनिक निर्देश मांगने के बाद कर्नाटक हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को इस मुद्दे पर दो दिनों में एक रिपोर्ट सौंपने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई बुधवार को होगी। इस बेंच में सीजेआई के अलावा जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस हृषिकेश रॉय भी शामिल हैं। सभी जजों ने एक सुर में अटॉर्नी जनरल वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से इस संबंध में बेंच के सामने बुलाकर टिप्पणी मांगी। जस्टिस श्रीशानंद ने अपनी एक टिप्पणी में कहा था कि उस मैसूरु रोड फ्लाईओवर पर जाओ। हर ऑटो-रिक्शा में 10 लोग बैठे रहते हैं। यहा कोई नियम लागू नहीं है क्योंकि गोरी पल्या से फूल मार्केट तक मैसूर फ्लाईओवर 'पाकिस्तान' में है... भारत में नहीं है। यह सच्चाई है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप वहां कितने सख्त पुलिस अधिकारी को तैनात कर देंगे, उन्हें वहां पीटा जाएगा। जज साहब की यह वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ वकील इंदिरा जयसिंह ने सीजेआई से कर्नाटक के उन जज साहब के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई करने का आग्रह किया था। इससे पहले इन्हीं जज साहब का एक और वीडियो जेंडर को लेकर सामने आया था। इंदिरा जय सिंह ने उस मामले पर भी सुप्रीम कोर्ट का ध्यान दिलाया था। इस वीडियो में जस्टिस श्रीशानंद एक महिला वकील को विरोधी पक्ष के वकील से पूछे गए सवाल का जवाब देने पर फटकार लगाते नजर आ रहे हैं। जज ने मजाक में महिला वकील से कहा कि ऐसा लगता है कि वह विपरीत पक्ष के बारे में बहुत कुछ जानती है, और वह आगे उसके अंडरगारमेंट्स का रंग भी बता सकती है। जज साहब की इस टिप्पणी पर इंदिरा जयसिंह के अलावा भी कई महिला वकीलों ने आपत्ति जताई है। यह देखते हुए कि अदालत की कार्यवाही के दौरान कर्नाटक हाईकोर्ट के जस्टिस श्रीशानंद द्वारा की गई टिप्पणियों पर मीडिया रिपोर्टों पर उनका ध्यान आकर्षित किया गया है, सीजेआई ने जजों के लिए सावधानी बरतने की बात कही। सीजेआई ने कहा, सोशल मीडिया के इस युग में, अदालती कार्यवाही पर कड़ी नजर रखी जाती है और इसलिए हमें उसके अनुसार कार्य करना होगा।यहां सवाल यह है कि जिम्मेदार पद पर बैठा कोई जज इस तरह की गैर जिम्मेदार साम्प्रदायिक टिप्पणी कैसे कर सकता है? क्या जस्टिस श्रीशानंद यह साबित करना चाहते हैं कि वो भाजपा के आदमी है और कट्टर हिंदुत्ववादी हैं? अगर जज ही ऐसी बाते कहने लगे तो इस देश में कोई भी नागरिक उससे न्यायदान की क्या अपेक्षा करे। हाल के वर्षों में रिटायर और यहां तक कि सेवारत जजो में भी भाजपा के प्रति आकर्षण बढ़ा है। पार्टी उन्हें उपकृत भी कर रही है। लेकिन पद पर रहते हुए हर जज का यह नैतिक कर्तव्य है कि वह न सिर्फ निष्पक्ष फैसले दे बल्कि निष्पक्ष दिखे भी।

राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा से उपजे सवाल

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी चिंतक हैं।

श्री राहुल गांधी का वास्ता निरंतर विवादों से रहता है। कुछ इसलिये कि एक राजनैतिक समूह उन्हें निरंतर विवादास्पद बनाये रखना चाहता है। इसलिये वे अपने स्वभाव के चलते बहुत दूर तक विवाद पैदा करने से नहीं बच पाते। कई बार ऐसा लगता है कि वे बहुत शीघ्रता में हैं। एक दृष्टिकोण से यह शीघ्रता स्वाभाविक भी है क्योंकि अगले चुनाव तक वे शायद 60 की उम्र तक पहुँच जाएंगे। और अगर वह चूकते हैं तो फिर राजतिलक दूर की कौड़ी बन जायेगा। हालांकि हमारे देश में सत्ता की कोई उम्र नहीं होती, अब तो इस मामले में भारत विश्व गुरु जैसा बन गया है। जिन देशों में पहले राष्ट्राध्यक्षों या प्रधानमंत्री की उम्र सीमा 40-50 के अंदर होती थी।अमेरिका, रूस आदि अब इन देशों में भी उम्र सीमा 70 के पार पहुंच चुकी है।

अभी राहुल जी नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद अमेरिका के दौरे पर गये और वहाँ उन्होंने जो कहा था जो मुलाकातें की हैं, उनको लेकर देश में काफी चर्चा भी चली और प्रतिक्रियाएँ भी हुईं। एक तो उनकी मुलाकात अमेरिका सीनेट की एक महिला मेम्बर से हुई। वे लगातार भारत के खिलाफ बोलती रहीं और वह जम्मू-कश्मीर की अलगाववादी समर्थक भी हैं। यह सुविदित तथ्य है कि जम्मू कश्मीर के अलगाववादी संगठन अमेरिकी तंत्र से समर्थन पाते रहे हैं और उन्हें अमेरिका में रहकर अपने एजेंडा को बढ़ाने के लिये सभी अवसर और सुविधाएँ मिलती हैं। लगभग एक दशक पूर्व तो भारत और दुनिया के कई देशों के पत्रकारों को लगभग प्रतिवर्ष जम्मू कश्मीर को अलग करने वाले संगठन निमंत्रण देकर बुलाते थे, उनके खर्च उठाते थे, उन्हें भेंट देते थे, और उन्हें वापिस जाकर क्या प्रचारित करना है इसके आंकड़े भी देते थे। ऐसा कहा जाता है कि यह अलगाववादी संगठनों के पीछे सीआईए की भूमिका होती है। अमेरिकी राजनयिक का यह तरीका रहा है कि वे समस्याओं को पैदा कराते हैं फिर उनके नाम पर व्यापारिक राजनैतिक सौदे कराते हैं और अगर सौदा न पटे तो फिर संबंधित देश में अस्थिरता पैदा करने में उन संगठनों का इस्तेमाल करते हैं। बहरहाल श्री राहुल गांधी ने भारतीय संसद में नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद जो दौरा किया, इसमें उन्होंने जो बातें कहीं हैं, उनमें से कुछ निम्नानुसार हैं-

(ये बिन्दु भी भारतीय मीडिया में अलग-अलग आये हैं और उनके संपूर्ण भाषण का कोई विवरण एक मुश्त मुझे पढ़ने को नहीं मिला।)-

1. दैनिक जनसत्ता के 11 सितंबर के अनुसार उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत के लोकतंत्र को पूरी तरह नुकसान पहुँचाया गया।
2. उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि आरक्षण खत्म करने के बारे में कांग्रेस तब सोचेगी जब देश में आरक्षण के लिहाज से निष्पक्षता होगी। देश के वित्तीय आंकड़ों को देखने से पता चलता है कि आदिवासियों को 100 रुपये में से 10 पैसे, दलितों को 100 रुपये में से 5 पैसे और अन्य पिछड़ा वर्ग को 100 रुपये में से लगभग इतने ही पैसे मिलते हैं। सच्चाई यह है कि उन्हें उचित भागीदारी नहीं मिल रही है।
3. उन्होंने कहा कि आरएसएस धर्म, भाषाओं और समुदायों को अन्य की तुलना में कमतर मानता है और इसी बीच में उन्होंने दर्शकों में पहली पंक्ति में बैठे एक सिख व्यक्ति से संवाद करते हुए कहा श्लड़ाई इस बात की है कि क्या एक सिख को भारत में पगड़ी या कड़ा पहनने का अधिकार है? वह गुरुद्वारे जा सकता है? ऐसी ही लड़ाई सभी धर्मों के लिए है?
4. उन्होंने यह भी कहा कि आरएसएस वस्तुतः यही कहता है कि कुछ राज्य दूसरे राज्य से कमतर हैं। कुछ धर्म, समुदाय और भाषायें एक दूसरे धर्म, समुदाय से कमतर हैं।

जहाँ तक उनका पहला कथन का संबंध है निसंदेह देश में मानव अधिकारों और लोकतांत्रिक अधिकारों पर राज्य की दखल बढ़ी है। जांच एजेंसियों का दलीय पक्षपात के आधार पर भाजपा सरकार ने दुरुपयोग किया है। उससे देश में एक भय व्याप्त हुआ है। जाँच एजेंसियों के दुरुपयोग पर भारत के सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा टिप्पणी की गई है कि सीबीआई को तोता बनकर पिंजरे में रहने की जगह बाहर निकलना चाहिये। गुप्तचर संस्थाओं का दुरुपयोग हो रहा है हालांकि 10 वर्ष के पूर्व की सरकारों द्वारा भी दुरुपयोग होता रहा है, यह भी सही है, परंतु मूल प्रश्न है कि क्या अपने देश के आंतरिक हालात की चर्चा विदेशों में जाकर, उनके मंचों पर जाकर, होना चाहिये, यह परंपरा हमारे देश में नहीं रही है। डॉ.राममनोहर लोहिया, तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व.जवाहरलाल नेहरू की नीतियों के आलोचक थे परंतु उन्होंने अपनी अमेरिकी यात्रा में उनकी चर्चा नहीं की, बल्कि जब वहाँ की प्रेस ने उनसे इस बारे में टिप्पणी मांगी तो उन्होंने कहा कि यह हमारे देश का आंतरिक मसला है। इसके लिये मैं अमेरिका नहीं आया हूँ। स्व.अटलबिहारी वाजपेयी ने अमेरिका यात्रा में भारत सरकार के खिलाफटिप्पणी करने से इनकार कर दिया था। डॉ. लोहिया तो इससे एक कदम आगे जाकर अमेरिका में अमेरिका की व्यवस्था को ललकारा और उनके रंगभेद नीति के विरुद्ध न केवल सार्वजनिक रूप से कहा था बल्कि उनके नियमों को तोड़कर आंदोलन किया व गिरफ्तारी दी थी। जिस अमेरिका में जाकर राहुल जी भारतीय लोकतंत्र के बारे में अपनी शिकायत दर्ज करा रहे हैं उस अमेरिका में स्वतरू लोकतंत्र की स्थिति क्या है। आज अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और राष्ट्रपति पद के वर्तमान प्रत्याशी ट्रंप और वर्तमान राष्ट्रपति जो वाइडेन के बीच जिस प्रकार की शब्दावली का प्रयोग हो रहा है वह कुछ अर्थों में भारत से भी बदतर है। पिछले दशक में अमेरिकी लोकतंत्र जिसे लोग एक जमाने में एक आदर्श लोकतंत्र मानते थे यद्यपि इस पूंजीवादी लोकतंत्र का आज सारी दुनिया में हास्य का विषय बना हुआ है परंतु राहुल जी ने अमेरिकी लोकतंत्रय की खामियों की चर्चा करने की बजाय अपने देश के लोकतंत्र की खामियों को बताने के लिए जो मंच चुना वह उचित नहीं कहा जा सकता है।

आरक्षण के बारे में राहुल जी की राय इस अर्थ में सच्चाई के करीब है कि आरक्षण को चतुराई या चालाकी के साथ खत्म करने का या अप्रभावी करने के तरीके सरकारें चुन रहीं हैं। हालांकि उनसे यह प्रश्न पूछा जा सकता है कि आपकी पार्टी ने मंडल कमीशन के रपट का 1990 में समर्थन क्यों नहीं किया? आपकी पार्टी ने ईडब्ल्यूएस को 10 प्रतिशत आरक्षण देने का समर्थन किस आधार पर किया। वर्ष 2011 में हुई जनगणना की जाति संख्या की रपट प्रकाशित क्यों नहीं कराई?

वर्तमान भाजपा सरकार और उसकी मातृ संस्था आरक्षण के पक्ष में नहीं है। बल्कि 2019 के लोकसभा चुनाव के पूर्व जब देश में जातीय जनगणना की बात उठी तो संघ के इशारे पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा ने यह कहकर तथ्यों को छुपाने का प्रयास किया कि हमारा विश्वास तो युवा, गरीब, किसान,मजदूर नामक जातियों में है। याने जो भाषा 1950 के दशक में साम्यवादी मित्र बोलते थे वह भाषा जातिवाद पर पर्दा डालने के लिए प्रधानमंत्री व भाजपा ने बोलना शुरू किया। परंतु अब जब भाजपा 400 पार के नारे से घटकर 240 पर सिमट गई तब संघ में भी हलचल हुई व भविष्य के खतरे सामने आने लगे। हाल ही में संघ ने केरल में अपनी बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया कि जातीय जनगणना हो सकती है बर्शते वह राष्ट्रीय हित में की जाये। यह शब्दावली केवल अपने अपराध को छुपाने वाली शब्दावली है और संघ के इस अघोषित अनुमति के बाद यह संभावना बढ़ी है कि अब सरकार जातीय जनगणना करायेगी। परंतु इन सवालों की चर्चा भी उस अमेरिका में अर्थहीन है जहां आज भी रंगभेद प्रभावी है और गोरे अधिकारी सरेआम काले की गर्दन पर पैर रखकर जान ले लेते हैं। क्या किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने अमेरिका के बाहर किसी दूसरे देश में अपने देश के रंगभेद की चर्चा की है?

तीसरा बिन्दु तो और भी अनुचित है, जिसमें कि राहुल गांधी ने कहा कि विषय यह है कि क्या कोई सिख अपना धर्म मान सकता है, कड़ा और पगड़ी पहन सकता है आदि। यह तो कोई सामान्य व्यक्ति, क्या भारतीय, क्या विदेशी और कोई सिख भाई कह देगा कि भारत में सिख भाईयों को, जैन-बुद्ध और मुस्लिम भाईयों को, अपनी धार्मिक परिपाटियों को मानने पर कोई रोक नहीं है। यह इसलिये भी उनका आश्चर्यजनक कथन लगा, क्योंकि सिख ही क्या बल्कि सभी धर्मों के मामले में कांग्रेस पार्टी का अतीत साफसुथरा नहीं है। कांग्रेस सरकार के जमाने में ही राममंदिर में मूर्तियां रखी गई थीं, फिर ताला खोला गया था और उसका जो अंत होना था वह सबके सामने हैं। कांग्रेस के जमाने में ही मेरठ, भागलपुर में भयानक दंगे हुए थे जिनमें बड़ी संख्या में मुस्लिम भाई मारे गये थे और बर्बाद हो गये थे। कांग्रेस सरकार के जमाने में ही तत्कालीन मप्र और वर्तमान छग में जैन मुनि आचार्य तुलसी के पंथवालों ने दंगे किये थे और 1984 में श्रीमती इंदिरा गांधी की हत्या के बाद किस प्रकार सिख समाज के ऊपर हमले, हत्यायें और लूटपाट हुई थी, उसे कौन भुला सकता है। सिखों की नृशंस हत्या के बाद जब तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी से इन हत्याओं को लेकर प्रश्न पूछा गया था तो वह बोले कि जब बड़ा पेड़ गिरता है तो जमीन हिल जाती हैय्य और उसके बाद के घटनाक्रम सभी को पता है। नेता प्रतिपक्ष के जिम्मेदार पद पर और कांग्रेस पार्टी के शासक परिवार के अंग रहते हुए कम से कम राहुल जी को इन जख्मों को कुरेदने की आवश्यकता नहीं थी। उनके इन कथन के परिणाम कितने दूरगामी और भयानक हो सकते हैं, शायद यह कल्पना उन्होंने नहीं की।

हालांकि भाजपा के प्रवक्ताओं ने उनके बयान के बाद उन्हें राष्ट्रद्रोही कहना शुरू कर दिया। मैं उन्हें राष्ट्रद्रोही तो नहीं मानता हूँ परंतु उनके इस बयान को गैर जिम्मेदाराना, गैर जरूरी और देश की छवि के साथ-साथ उनके दल की छवि भी बिगाड़ने वाला मानता हूँ। शिवसेना (एकनाथ) के एक विधायक ने तो यह सार्वजनिक बयान दिया है कि जो श्री राहुल गांधी की जीभ काटेगा, उसे वे 11 लाख रुपये देंगे। यह बयान, अलोकतांत्रिक, अनुचित व आपराधिक है। अच्छा होता कि मुख्यमंत्री श्री शिंदे जी स्वतरू अपने पक्ष के विधायक के विरुद्ध कार्यवाही करतेय तो इससे उनकी लोकतांत्रिक छवि भी मजबूत होती। परंतु उनसे अपेक्षा अर्थहीन है। श्री रवनीत सिंह बिटटू रेल राज्यमंत्री भारत सरकार के हैं तथा पुराने कांग्रेस के रहे हैं ने कहा कि श्री राहुल गांधी हिन्दुस्तानी नहीं है। श्री बिटटू कांग्रेस से भाजपा में गये हैं तथा संभव है कि भाजपा में अपने नंबर बढ़वाने के लिये वे ऐसे बयान दे रहे हों, जो ऊपर वालों को खुश कर सके। परंतु एक केन्द्रीय मंत्री के नाते उनका बयान बिलकुल भी उचित नहीं है। और अगर वे ईमानदारी से यह मानते हैं तो उन्हें अपने गृहमंत्री से कहना चाहिये कि वे श्री राहुल गांधी के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज करायें। देश नेता प्रतिपक्ष से एक ज्यादा जिम्मेदारी की अपेक्षा करता है। राहुल जी अभी अधेड़ उम्र में हैं परंतु सुधार के लिये कोई भी उम्र ज्यादा नहीं होती।

ऊर्जा क्षेत्र में करने होंगे नए प्रयोग

मुद्दा

अमित बैजनाथ गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

दुनिया में एक बार फिर ऊर्जा क्षेत्र को लेकर चर्चा हो रही है। यह ऊर्जा क्षेत्र के बढ़ते महत्व को दर्शाता है। आखिर क्यों बार-बार एनर्जी सेक्टर पर इतनी गंभीरता से बातचीत की जा रही है? क्यों वैश्विक मंचों पर इस मुद्दे को उठाया जा रहा है? असल में दुनिया ऊर्जा के क्षेत्र में संकटों का सामना कर रही है। सभी इस बात को समझ चुके हैं कि इस क्षेत्र पर अभी गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाला समय चुनौतीपूर्ण होगा। उभरते ऊर्जा संकट, घटते जीवाश्म ईंधन संसाधनों और उच्च तेल की कीमतों के साथ जलवायु परिवर्तन की चिंताओं ने बढ़ती ऊर्जा मांगों को पूरा करने के लिए नवीकरणीय, वैकल्पिक, पर्यावरण अनुकूल और कार्बन तटस्थ ईंधन के विकास की ओर वैश्विक ध्यान आकर्षित किया है। अधिकांश ऊर्जा संकट स्थानीय कमी, युद्ध और बाजार में हेरफेर के कारण हुए हैं।

भारत की बात करें, तो इसके ऊर्जा संकट से निपटने की राह में कई चुनौतियां हैं। पहली बात तो यह है कि सभी के पास सीमित ऊर्जा संसाधन हैं। भारत के पास कोयला, तेल और गैस जैसे सीमित ऊर्जा संसाधन ही मौजूद हैं और यह अपनी बढ़ती ऊर्जा मांगों की पूर्ति के लिए आयात पर निर्भर है। परिणामस्वरूप भारत ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों की तलाश कर रहा है, जैसे कि सौर, पवन और जल विद्युत। वहीं देश के ऊर्जा क्षेत्र में अभी अपर्याप्त निवेश है। देश के ऊर्जा क्षेत्र को अपने बुनियादी ढांचे में सुधार और अपनी ऊर्जा क्षमता का विस्तार करने के लिए वृहद निवेश की आवश्यकता है, लेकिन सरकार और निजी क्षेत्र ऊर्जा क्षेत्र में पर्याप्त निवेश नहीं कर पा रहे हैं। देश की निम्न प्रति व्यक्ति आय और उच्च गरीबी दर भी लोगों के लिए स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों का वहन कर सकना कठिन बनाती है। भारत विश्व के सबसे बड़े ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जकों में से एक है और इसका ऊर्जा क्षेत्र इन उत्सर्जनों का एक प्रमुख योगदानकर्ता है।

हालांकि सरकार की ओर से अल्पकालिक और दीर्घकालिक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता वृद्धि के लिहाज से 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता के 500 गीगावाट के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। इधर, दुनिया में भारत एनर्जी ट्रांजिशन में ग्लोबल लीडर के रूप में उभर रहा है। यह उस विकास से स्पष्ट है, जो हमने अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में हासिल किया है। अक्षय ऊर्जा क्षेत्र यानी रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर रोजगार उत्पादन की दृष्टि से भी उम्मीदें बंधाता हुआ नजर आ रहा है। पूरी दुनिया जहां जलवायु परिवर्तन के खतरे को रोकने के लिए इस क्षेत्र को विकसित करने में जुटी है, वहीं भारत जैसे विकासशील देश ने इस स्रोत के विकास में अच्छी सफलता हासिल की है। पिछले दस सालों में देश ने अक्षय ऊर्जा उत्पादन की अपनी क्षमता में पांच गुना बढ़ोतरी की है। इसके साथ ही ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में नए लक्ष्यों को तय किया है।

वहीं रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में रोजगार पैदा करने के लिहाज से चीन, ब्राजील और अमेरिका के बाद भारत दुनिया में चौथे नंबर पर है। पूरे विश्व में रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में नियुक्त लोगों का 5.7 प्रतिशत भारत में है। इंटरनेशनल रिन्यूएबल एनर्जी एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, दस साल पहले तक रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर ने भारत में चार लाख नौकरियां उत्पन्न की थीं। असल में भारत में एनर्जी सेक्टर में आगे काफी ग्रोथ की संभावनाएं हैं और इस सेक्टर में जाने के लिए छात्रों को कुछ खास कोर्स करने की जरूरत पड़ेगी। एनर्जी सेक्टर में बीटेक पावर, एमबीए ऑयल एंड गैस, एमए एनर्जी इकोनॉमिक्स, सोलर एनर्जी आदि से जुड़े कई कोर्स होते हैं, लेकिन आने वाले समय में सबसे ज्यादा संभावनाएं सोलर एनर्जी में है, इसलिए छात्रों को इसी कोर्स का चुनाव करना चाहिए। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने के लिए एनर्जी सेक्टर को रिवाइव करना जरूरी होगा।

वहीं देश में एलईडी बल्ब के इस्तेमाल से उजाले के लिए खर्च होने वाली बिजली में करीब 75 फीसदी की कमी आई है। अध्ययन बताते हैं कि ऊर्जा दक्ष उपकरणों के इस्तेमाल से करीब 30 फीसदी बिजली खपत कम की जा सकती है यानी भवनों में 1.20 लाख गीगावाट बिजली बचाए जाने की संभावना है। यदि भवनों में ऊर्जा दक्षता के मानक लागू हो जाएं, तो अतिरिक्त 30 फीसदी बिजली बच सकती है। यह बिजली बिहार और झारखंड जैसे राज्यों के एक साल की जरूरत के बराबर है। सांख्यिकी मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, देश में उद्योग जगत सबसे ज्यादा 42 फीसदी बिजली खर्च करता है। घरेलू क्षेत्र 24 फीसदी बिजली खर्च करता है। व्यावसायिक भवनों में बिजली की खपत आठ फीसदी है। भवन क्षेत्र की कुल खपत 32 फीसदी है, लेकिन भवनों में ऊर्जा दक्षता के मानकों का क्रियान्वयन सबसे कम हुआ है। निवेश की बात करें तो देश के एनर्जी सेक्टर में साल 2000 से 2019 के बीच 14.32 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आया है। सरकार इस सेक्टर पर खासा ध्यान दे रही है, जिसके कारण आने वाले समय में इस सेक्टर में निवेश और बढ़ेगा। इससे नौकरी की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। 2022 तक भारत सरकार नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता को बढ़ाकर 175 गीगावाट कर चुकी है। इसमें 100 गीगावाट सोलर पावर और 60 गीगावाट पवन ऊर्जा शामिल है। वहीं भारत की कोल आधारित क्षमता 2040 तक 191 गीगावाट से बढ़कर 400 गीगावाट होने की संभावना है। हालांकि भारत लंबे समय से ऊर्जा उत्पादन के लिए सबसे ज्यादा भरोसा कोयले पर करता आया है, लेकिन पिछले दशक के मध्य से इसमें ग्रीन एनर्जी की भागीदारी महत्वपूर्ण रही है। साल 2017 के बाद से ग्रीन एनर्जी बिजली उत्पादन के नए तरीकों में सबसे आगे रही है, जिसमें सोलर एनर्जी का बड़ा हिस्सा है।

मौजूदा समय में भारत की ऊर्जा पर निर्भरता दूसरे देशों पर ज्यादा है। देश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई पहल की जा रही हैं। इसी क्रम में नवीकरणीय ऊर्जा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, जिसके लिए सोलर एनर्जी के क्षेत्र में सरकार की ओर से काफी काम किया जा रहा है। भारत ने साल 2070 तक कार्बन उत्सर्जन को शून्य करने का लक्ष्य रखा है, जिसके लिए लगभग 50 प्रतिशत ऊर्जा नवीकरणीय स्रोतों से उत्पादित करना बड़ा लक्ष्य है। साल 2040 तक भारत की ओर से 15,820 टेरावाट आवर बिजली का उत्पादन नवीकरणीय स्रोत से करने का भी लक्ष्य रखा गया है। ऐसे में सोलर एनर्जी इस लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विभिन्न कंपनियां सोलर एनर्जी की तरफ तेजी से काम कर रही हैं। इसकी वजह से इस सेक्टर की कंपनियों में अच्छी ग्रोथ देखने को मिल रही है। आने वाले समय में इन कंपनियों की ग्रोथ और तेज होने के साथ भारत एनर्जी सेक्टर के सभी लक्ष्यों को सफलतापूर्वक हासिल कर सकेगा।

देखा जाए तो देश में ऊर्जा क्षेत्र में त्वरित सुधारों की दरकार है। सबसे पहले तो आयात पर निर्भरता कम करने के लिए घरेलू कोयले की गुणवत्ता में सुधार पर ध्यान देना होगा। इसे कोयले के कैलोरी मान को बढ़ाने और राख की मात्रा को कम करने के लिए प्रौद्योगिकी में निवेश कर प्राप्त किया जा सकता है। वहीं नवीकरणीय ऊर्जा को प्रोत्साहित करना होगा। देश में सौर, पवन और जल विद्युत जैसे ऊर्जा स्रोतों की अपार क्षमता मौजूद है। सरकार को प्रोत्साहन राशि और सब्सिडी के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विकास को प्रेरित करना चाहिए। कार्बन मूल्य निर्धारण नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहित करने में मदद कर सकता है। वहीं ऊर्जा के कुशल संचरण और वितरण को सुनिश्चित करने के लिए ऊर्जा अवसंरचना के विकास में निवेश करना होगा। यह मौजूदा अवसंरचना के उन्नयन और नए बिजली संयंत्रों, पाइपलाइनों और ट्रांसमिशन लाइनों के निर्माण के माध्यम से हासिल हो सकता है।

असल में वैश्विक ऊर्जा संकट के समाधानों का व्यापक रूप से उपयोग नहीं किया जा रहा है। सबसे अच्छा विकल्प यह है कि गैर-नवीकरणीय संसाधनों पर दुनिया की निर्भरता को खत्म किया जाए और समग्र संरक्षण प्रयासों में सुधार किया जाए। पीले बल्बों की जगह एलईडी बल्ब लगाएं। वे कम ऊर्जा की खपत करते हैं और लंबे समय तक चलते हैं। अगर दुनिया में लाखों लोग आवासीय और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए एलईडी का उपयोग करते हैं, तो ऊर्जा की मांग कम होगी और संकट से बचा जा सकेगा। इसके अलावा, सौर पैनलों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जानी चाहिए ताकि जनता को अक्षय ऊर्जा विकल्पों की जांच करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। ज्यादा स्टार वाले उपकरण खरीदे जाने चाहिए, इससे बिजली की बचत होगी। वहीं बिना रेटिंग वाले उपकरणों की बिक्री पर रोक होनी चाहिए। पिछले कुछ सालों में लोगों में ऊर्जा दक्षता को लेकर चेतना बढ़ी है, लेकिन अभी भी जागरूक होने की दरकार है। इस तरह छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखकर हम बिजली की बचत कर सकेंगे।

लड्डू फूट रहे हैं...

निर्मल आनंद

रमेश रंजन त्रिपाठी

क्या आप बता सकते हैं कि मन में कौनसे लड्डू फूटते हैं, मोतीचूर, बेसन, आटे, सूखे मेवे, चावल, तिल-गुड़ या ठग्गू के? कानपुर के ठग्गू के लड्डू बंटी और बबली को बहुत पसंद हैं। इन दोनों का दावा है कि ऐसा कोई सगा नहीं जिसे इन्होंने ठगा नहीं। उनके इस दावे पर सब लोग कैसे झूम उठे थे, याद है न?

लड्डू पर निबंध लिखना किसे अच्छा न लगेगा? मैं भी तुरंत लिखने लगूँगा कि लड्डू हमारी पसंदीदा मिठाई है जो होती तो गोल है लेकिन घी से बने लड्डू टेढ़े हों तब भी बहुत अच्छे लगते हैं। लड्डू भगवान को भी बहुत भाते हैं। घुटनों के बल चलते हुए नन्हे कान्हा के हाथ में लड्डू इतना मनोहारी लगता है कि उनके इस विग्रह का नाम 'लड्डू गोपाल' पड़ जाना अनोखी बात नहीं। गणेश जी तो 'मोदक प्रिय मुद मंगलदाता' हैं ही। हनुमान जी को बेसन के लड्डू का भोग लगाया जाता है।

प्राचीन काल से हमारे देश में लड्डू खाए और खिलाए जाते हैं। मुझे देसी पंगत में पूड़ी सब्ज़ी के साथ परोसे जानेवाले बूँदी के लड्डुओं का स्वाद कभी नहीं भूल सकता। उन दिनों हमारे क्षेत्र की पंगतों में पानी के लिए लोटा या गिलास ले जाने की परंपरा थी। ये जलपात्र डेजर्ट में परोसे गए लड्डुओं को भरकर ले आने के काम आया करते थे। घरों में खुशी के मौके पर मोतीचूर, सर्दियों में आटे के साथ गोंद और भगवान के भोग के लिए बेसन के लड्डू बनना आम बात है।

भारतीयों के अवचेतन में बसे लड्डुओं को विदेशी चॉकलेट से रिप्लेस करने के लिए बड़े बड़े सेलिब्रिटी कुछ मीठा हो जाए की अनवरत रट लगाए रहते हैं। सोचिए, यदि चॉकलेट के लड्डू बना दिए जाएँ तो? हलवाई का पता नहीं लेकिन सबने अपने घरों में महिलाओं को लड्डू बनाते देखा है। उस समय टेम्पटेशन पर काबू न पानेवाले बच्चों द्वारा थाली से लड्डू उठाकर गपक लेने की अदा पर मन ही मन बलिहारी जानेवाली माँएं दिखावे के लिए उन्हें डाँटती मिल जाएँगीं। लड्डू बनाने में खर्च होनेवाली माताओं की मेहनत का असली रिटर्न बच्चों द्वारा उन्हें मना करने के बावजूद खाया जाना ही है। शेष बातें तो नॉर्मल हरकतें हैं। सर्वे कर लीजिए, घर से बाहर रहकर पढ़ाई करनेवाले अधिकांश बच्चों के सामान में मम्मियों के हाथ के बने लड्डू मिल जाएँगे।

लड्डू की विशेषता उसका गोल आकार है। किसी के गोलमटोलपन को एक शब्द में अभिव्यक्त करने के लिए लड्डू कह देना पर्याप्त है। लड्डू गोल क्यों होते हैं? क्योंकि हर महत्वपूर्ण वस्तु गोल होती है। धरती, सूरज, चाँद सभी तो गोल हैं। आभामंडल गोल होता है। खेलों की दुनिया में सबसे लोकप्रिय वस्तु गेंद, गोल होती है। अंग्रेजी में लक्ष्य भी 'गोल' होता है।

इंसान जिसके लिए सारे खटकरम करता है, वह रोटी भी गोल होती है। पापी पेट गोल होता है और सारे फसाद की जड़ दिमाग भी गोलाकार सिर में बंद रहता है। प्रेम की पवित्र भावना का उद्गमस्थल हृदय भी गोल होता है। किसी को टरकाने के लिए गोलमोल जवाब देने की प्रथा नई तो नहीं? साढ़े चार दशक पहले आई हृषिकेश मुखर्जी की 'गोलमाल' को आज भी चाव के साथ देखा जाता है। अमोल पालेकर और उत्पल दत्त के मजेदार अभिनय से सजी 'गोलमाल' के बाद में कई रीमेक बने। दुनिया को गोल बताने और घपले यानी गोलमाल को उजागर करनेवाले गीत बने और पसंद किए गए।

बच्चों को लड्डुओं से तौलने की प्रथा बहुत पुरानी है। अब तो कोई भी तुलने के लिए तैयार मिल जाता है। जीत को सेलिब्रेट करने का सबसे प्रभावी तरीका है, लड्डू बाँटना।

अनेक दिशाओं से मिलनेवाली खुशियों के लिए दोनों हाथों में लड्डू होने का मुहावरा बना। लड्डू देखकर लार न टपकाने की साधना सरल नहीं होती। डायबिटीज़ वाले भी सुगर-फ्री लड्डू की तलाश में लगे रहते हैं। इस मोदक आख्यान को पढ़ने-सुननेवालों का जीवन लड्डू खाने खिलाने में बीतता है।

परसाई ने फासीवाद के खिलाफ लगातार सतर्क किया

भोपाल। हरिशंकर परसाई को सिर्फ व्यंग्य लेखक के रूप में सीमित कर देने का प्रयास एक वैचारिक साजिश है। परसाई भारतीय फासीवाद के सांस्कृतिक आधारों और विचारधारा की सबसे गहरी पड़ताल करने वाले लेखक थे। यह बात वाराणसी से आए कवि - आलोचक आशीष त्रिपाठी ने शनिवार को आयोजित परसाई जन्मशती समारोह में कही। कार्यक्रम रंगश्री लिटिल बैले ट्रूप में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दूसरे वक्ता आलोचक जयप्रकाश ने कहा, परसाई के लेखन में दो तरह की जनता दिखाई देती है। पहली जनता है केंचुआ की तरह जो बिना कोई प्रतिरोध किए समर्पण कर देती है और दूसरी जनता उनके आत्मकथ्य के चूहे की तरह है जो अपना हिस्सा मांगने और संघर्ष का साहस करती है।

उन्होंने कहा कि हिन्दी आलोचना के सामने परसाई आज भी एक चुनौती बने हुए हैं। यदि उनकी रचना निबंध या कहानी नही है तो क्या है? उन्होंने कहानी या निबंध के स्वीकृत ढांचे को एकदम से बदल दिया और उसे अनूठा बनाया।

उन्होंने आगे कहा कि परसाई ने जनता के इतिहास के साथ ही समाज के अधःपतन का भी इतिहास लिखा। उन्होंने बीसवीं शताब्दी में विकसित हो रही आधुनिकता की चुनौतियों को पहचाना। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ कवि नरेश सक्सेना ने हरिशंकर परसाई पर लिखी अपनी एक कविता के अलावा उनसे संबंधित कई संस्मरण सुनाकर श्रोताओं को मुग्ध कर दिया।

'हरिशंकर परसाई- रचनाशीलता एवं व्यक्तित्व' विषय पर केंद्रित आयोजन में रामप्रकाश त्रिपाठी, विजय बहादुर सिंह, सुरेश तोमर, मनोज कुलकर्णी, आशा मिश्रा, संध्या कुलकर्णी, ध्रुव शुक्ल, तरुण भटनागर सहित शहर के 100 से अधिक गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कवि अनिल करमेले और आभार प्रदर्शन शैलेंद्र शैली ने किया।

हरिशंकर परसाई का परिचय- 1924 में होशंगाबाद (वर्तमान नर्मदापुरम) के जमानी गांव में जन्मे हरिशंकर परसाई को उनके धारदार व्यंग्यों की वजह से पहचाना जाता है। उन्होंने समकालीन राजनीति की कमियों को अपनी रचनाओं को केंद्र में रखते हुए कई ऐसे व्यंग्य लिखे जो ऊपर स्तर पर तो पाठकों को हंसाते थे लेकिन जिनका मर्म तमाम विद्रूपताओं को सामने रखता था।

जबलपुर को अपने रचनाकर्म का केंद्र बनाने वाले परसाई नियमित स्तंभ लेखन करते हुए हमेशा एक स्वतंत्र लेखक के रूप में ही जाने गए। उन्होंने कहानियां, उपन्यास और निबंध भी लिखे लेकिन उनकी मुख्य पहचान उनके पैनी धार वाले राजनीतिक व्यंग्यों की वजह से ही थी। इन व्यंग्यों की वजह से वह लगातार निशाने पर भी रहे।

रानी नागफनी की कहानी, सदाचार का ताबीज, अपनी-अपनी बीमारी, हम इक उम्र से वाकिफ हैं और जाने-पहचाने लोग आदि उनकी कुछ प्रमुख कृतियां हैं।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

पितृ पक्ष विशेष

मनमोहन हर्ष

(वरिष्ठ लेखक, चिंतक और स्वतंत्र टिप्पणीकार)

'किसी जगह की मिट्टी भीगे, तृप्ति उन्हें मिल जाएगी'.....

मधुशाला की रुबाइयों में बसे है पितरों की कृपा पाने के सूत्र

हमारे पितरों-पूर्वजों ने जिस जीवट, जिजीविषा, कर्मठता, समर्पण और साधना से भावी पीढ़ी के लिए सुंदर संसार सजोने में अपने जीवन के अनमोल पलों को खपा दिया, उसकी सुरभि को हम अपने कर्मों से फैलाने के लिए खुद को ताउम्र तपाए तो यहीं सबसे बड़ा तप, तर्पण और श्राद्धकर्म है।

पितृ पक्ष हमें इस खूबसूरत दुनियां से रूबरू कराने, यहां स्वछंदता से जीने और प्रगति के पथ पर निरंतर बढ़ते रहने का सलीका सिखाने के बाद जीवन के लक्ष्यों की कमान सुपर्द कर ब्रह्मलीन हो गए पूर्वजों की आराधना का अवसर देता है। पितृ पक्ष में पितरों की प्रसन्नता के लिए सनातत परम्परा से तर्पण सहित कर्मकांड किए जाते हैं। पितृसत्ता की विशेष कृपा पाने और उनकी जीवसत्ता के प्रति श्रद्धाभाव व्यक्त करने के लिए ये सिलसिला सदियों से चल रहा है। यह शाश्वत सत्य है कि आज हम जो भी है, जहां भी है, जैसे भी है और अपने जीवन के अंत तक जो भी रहेंगे और जो कुछ भी प्राप्त कर अपने पूर्वजों-पितरों की विरासत को नए मुकाम पर स्थापित कर पाएंगे तो वह उनके द्वारा हमारी रगों में भरी गई कर्मठता, सोच और विचारों की अकूत पूंजी के बल पर ही सम्भव हो पाएगा। घर, परिवार और कुटुम्ब को आगे बढ़ाने की बात हो या फिर अपने कर्मक्षेत्र में नए आयाम गढ़ने की नैसर्गिक लालसा, कोई भी व्यक्ति जीवन में नए सोपान पितरों-पूर्वजों के पदचिह्नों पर चल कर ही तय कर सकता है। कभी पुरखों द्वारा अपने जीवनकाल के हर मोड़ पर गाहे-बगाहे दी गई सीख और वक्त की फिजाओं में तिरोहित किए गए संस्कार ही जीवन में हमारी प्रगति का आधार बनते हैं।

श्राद्ध पक्ष में पितरों की स्मृति में सनातन परम्पराओं के इत्तर हम रोजमर्रा में ऐसा क्या कर सकते है जो हमें उनका कृपापात्र बनाकर नित नए तेवरों से जीवन पथ पर अग्रसर होने की ताकत सदैव देता रहे। इस गूढ़ प्रश्न का सीधा सा उत्तर हालावाद के प्रवर्तक और महान कवि डॉ. हरिवंशराय बच्चन अपने अमर काव्य मधुशाला की रूबाईयों में छोड़ गए है। देश में छायावाद के अमर सृजकों ने किसी प्रतीक के सहारे जीवन के दर्शन, मर्म और अंतिम सत्य को बूझने का जो कमाल किया है, उसका वाकई कोई सानी नहीं है। 'मधुशाला' में डॉ. बच्चन ने ईश्वर द्वारा व्यक्ति को कुछ समय के लिए सौंपी गई दुनियां की सत्ता में अपनी भूमिका को संजीदगी से निभाने के बाद विदाई की बेला, अंतिम यात्रा, अंतिम संस्कार और पितृ पक्ष में अपनी संततियों से अपेक्षा को भावों के समंदर में कलम डुबोकर उकेरा है। पितृ पक्ष में 'मधुशाला' की कुछ विशेष रूबाईयों से गुजर कर देखिए, आपको इनमें पितृकृपा का अकूत खजाना छिपा मिलेगा। इन रूबाईयों की रूह तक पहुंच जाए तो लगेगा, गोया पितृ पक्ष ही नहीं, जिंदगीभर अहम पलों में पूर्वजों को सच्चे मन से श्रद्धांजलि और भावांजलि देने में 'मधुशाला' की इन अनमोल पंक्तियों का चिंतन-मनन और पालन कहीं कर्मकांड से कमतर नहीं है। 'नाम अगर पूछे कोई तो कहना बस पीने वाला, काम ढालना और ढ़लाना सबको मदिरा का प्याला, जाति कोई पूछे तो कहना दीवानों की, धर्म बताना प्यालों की ले, माला जपना मुधशाला...' की रूबाई को हमारे पितरों-पूर्वजों के जीवन संदेश से जोड़कर देखे तो लगता है, अपने जीवनकाल में उन्होंने हमें बारम्बार जो अमूल्य सबक सिखाए, उनका दुनियां में प्रसार करने, जमाने के समक्ष उनके सत्कर्मों को उसी शिद्दत और प्रतिबद्धता से निभाने और अपनी हर भूमिका में खुद को उनके संचित संस्कारों के प्रतिनिधि के रूप में प्रस्तुत करना ही हमारा सबसे बड़ा धर्म है। मधुशाला की ये रूबाईयां बता रही है कि हमारे पितरों-पूर्वजों ने जिस जीवट, जिजीविषा, कर्मठता, समर्पण और साधना से भावी पीढ़ी के लिए सुंदर संसार सजोने में अपने जीवन के अनमोल पलों को खपा दिया, उसकी सुरभि को हम अपने कर्मों से फैलाने के लिए खुद को ताउम्र तपाए तो यहीं सबसे बड़ा तप, तर्पण और श्राद्धकर्म है। डॉ. बच्चन ने मधुशाला में पितृ पक्ष में किसी पुत्र या भावी पीढ़ी से पुरखों की अपेक्षाओं का मार्मिक चित्रण किया है। पितरों-पूर्वजों की सच्ची आराधना का तरीका इतना सरल है कि चाहे हम कहीं भी, किसी भी स्थिति और किसी भी स्थान पर हो, अपने कर्मक्षेत्र में उनके द्वारा खींची गई कर्मरेखा को उजला बनाने, उसे और बड़ा करने या उनकी कृपा और आशीर्वाद से हममें संचित ऊर्जा के दम पर कोई बड़ी या नई रेखा खींचने का अश्वमेघ हम करते रहे तो इससे बढ़कर पितरों की कृपा पाने का कोई दूसरा सूत्र नहीं हो सकता है। ऐसे ही सरोकारों की खुशबू डॉ. बच्चन ने 'पितृ पक्ष में पुत्र आना, अर्घ्य न कर में पर प्याला, बैठ कहीं पर जाना गंगा सागर के तट पर भर कर प्याला, किसी जगह की मिट्टी भीगे तृप्ति मुझे मिल जाएगी, तर्पण अर्पण करना मुझकों पढ़-पढ़ करके मधुशाला.....' जैसी रूबाई में पूरी उंडेल दी है।

बात बड़ी गहरी है, पर हालावाद में मधुशाला को आधार बनाकर हरिवंश राय बच्चन जैसे शब्दों के अमर चितेरे ने यहां हमें पितरों को सतत श्रद्धाभाव, आदर और सम्मान अर्पण करने का सलीका बखूबी सिखाया है। मधुशाला की रूबाईयों से निकलने वाली ये सीख पितरों की खुशी, उससे जीवन में हमारी तरक्की और लगातार नई बुलंदिया तय कर सफलता का अमृतपान करने के लिए अकाट्य बीज मंत्र की मानिंद है, जिनको मधुशाला से इत्तर शायद ही इतने सहज तरीके से समझा जा सकता हो। मधुशाला में किसी मैनेजमेंट गुरू की मानिंद सफलता के सूत्र बताते हुए डॉ. बच्चन ने कहा है 'अलग-अलग पथ बतलाते सब पर मैं यह बतलाता हूं, राह पकड़ तू एक चलाचल पा जाएगा का मधुशाला...' इसी तरह उन्होंने हमें अपने पितरों-पूर्वजों के आशीर्वाद और परमसत्ता की कृपा प्राप्त कर अपने जीवन को हर दृष्टि से धन्य बनाने का मार्ग भी बखूबी बतलाया है।

विचार

अनिल त्रिवेदी

लेखक अधिवक्ता हैं।

लगातार गुस्सा या तनावपूर्ण मन:स्थिति को त्यागना काल धर्म

गुस्सा या तनाव क्षणिक हो तो उसे लहरों की तरह मन में आयी क्षणिक स्थिति ही मनोविज्ञान में मानी जाती है। लगातार गुस्सा या तनाव और कभी भी किसी भी स्थिति में गुस्सा न आना दोनों ही असाधारण मानसिक स्थिति है। कोई किसी बात पर कभी भी गुस्सा न करें तो उसे शांत चित्त या दब्बू की संज्ञा दी जाती है। इसके उलट जो बात बात पर गुस्सा करें या चौबीस घंटे बारह महीने निरंतर गुस्सा ही करें उसके इस आचरण को क्या संज्ञा दी जावे? समुद्र में भी सदैव तूफान नहीं रहता पर आज की दुनिया में मनुष्य का जीवन अपनी ही बनाई असाधारण मानसिक तनाव की सुनामी से हमेशा अशांत रहने लगा है। अकारण अनियंत्रित गुस्सा आत्मघाती ही सिद्ध होता है। प्राचीन काल से मनुष्य समाज के मन, चिंतन और जीवन क्रम में गुस्से का अस्तित्व मौजूद हैं सात्विक क्रोध शब्द इसका जीवंत प्रमाण हैं। पर आज, आज की तथाकथित आधुनिक यांत्रिक जीवनचर्या और दुनिया मनुष्य मात्र को असाधारण और अकारण उत्तेजनापूर्ण और आक्रामकता भरी जिंदगी में निरंतर धकेल रही है। पर आधुनिकता के अंधे मनुष्य अपनी कल्पनाओं और तथाकथित विकसित सभ्यता में इस कदर डूब गये हैं कि मनुष्य के प्राकृतिक और मूल स्वभाव के शांत स्वरूप की अधिकांश मनुष्यों को कोई जानकारी ही नहीं है। सात्विक क्रोध कपूर की तरह हवा में उड़ गया है और सतत तनाव और गुस्सा हमारा प्राय: स्थायी स्वभाव बनता जा रहा है। गुस्सा और तनाव जब जिंदगी का स्थायी स्वभाव बन जाय तो समझिए कि हमारी ज़िन्दगी शांति सद्भाव और समन्वय को त्याग कर हिंसा और तनाव को जीवन का स्थायी भाव बना चुकी हैं और हम अप्राकृतिक जिंदगी को ही आत्मसात कर चुके हैं।

मनुष्य को मन,तन और जीवन के मूल स्वभाव और स्वरूप को पूरी तरह से त्याग कर यांत्रिक और आभासी दुनिया के नकारात्मक प्रभाव और मनुष्य जीवन में तरह तरह की असामान्य चुनौतियों के सामने नतमस्तक होते जाना ,आज का सबसे बड़ा सवाल है। अपने आप को विपरीत परिस्थितियों से जूझने देने के बजाय परिस्थिति जन्य गुलाम मानसिकता को चुपचाप अपना लेना शायद आज की दुनिया की सबसे बड़ी चुनौती है जिसका हल आज जो भी जिन्दा मनुष्य है उनकी एक मात्र, और पहली जिम्मेदारी है। गुस्सा मन,तन, और जीवन की सहजता को पूरी तरह से नष्ट कर देता है। गुस्सा आना यानि मनुष्य द्वारा प्राकृतिक जीवन और विचार प्रक्रिया को नकारते हुए अप्राकृतिक जिंदगी को अपनाना ही माना जाएगा।इस जगत में जीवन कई रूपों में व्यक्त हुआ है वनस्पति जगत आज के काल में भी सबसे ज्यादा प्राकृतिक अवस्था में जैसे जीवन के प्रारंभ या उदय के समय था वैसा ही आज भी प्राय: अस्तित्व में है। प्रकृति में कोई भी फूल खिलता ही है, गुस्साता नहीं,जीवन की प्राकृतिक श्रृंखला को बिना किसी हस्तक्षेप या मिलावट के जीवन की सुगंध को फैलाता है और बीज को पुन: अंकुरित होने के लिए जन्म देता है। मनुष्य ने लोभ वश या फूलों से आकर्षित होकर फूल को तोड़कर बीज निर्माण के क्रम में हस्तक्षेप किया हो पर वनस्पति जगत अपने मौन

अहिंसक और जीवन के क्रम को धरती पर सनातन काल से अपने जीवन का एकमेव उद्देश्य मान कर, जीव जगत को जीवन्त बनाने में अपनी मौन आहुति देने को ही जीवन माना है।

मानव या जीव मात्र का जीवन एक अनन्त प्रवाह है। हमारे तन मन में रक्त और विचार का सतत प्राकृतिक प्रवाह निरंतर एक निश्चित लय में शरीर के कण कण में संचारित हो जीवन को चलाते रहता है तभी जीवन शांत भाव से प्राकृतिक रूप से चलता रहता है।पर जब मनुष्य अकारण अनियंत्रित होकर गुस्सा करता है या तनावपूर्ण मन:स्थिति में स्थायी भाव से रहता है या राजनैतिक, धार्मिक, आर्थिक, प्रशासनिक और पारिवारिक उत्तेजना वश अपने मन और तन को तनाव ग्रस्त कर लेता है तो जीवन अप्राकृतिक दिशा में चलने लगता है। जीवन प्रकृति का जीवंत उपहार है। पर जीव और जीवन दोनों को अप्राकृतिक हस्तक्षेप से जो मनोरोग भुगतने पड़ सकते हैं उनका मुख्य कारण जीव का अपने जीवन को लेकर नासमझीपूर्ण तौर तरीकों को यंत्रवत अपनाना ही माना जाएगा।

प्रत्येक जीव खासकर मनुष्य को अपने जीवन और मन:स्थिति की रखवाली पूरी चौकसी से करते रहना चाहिए, कोई और इस कार्य को कर ही नहीं सकता। मनुष्य जब अप्राकृतिक गुस्से और तनाव का दास बन जाता हैं। तो शांति और सहजता से सहजीवन जो जीवन का मूल है लुप्त होने लगता हैं।जब हम किसी अन्य पर गुस्सा करते हैं तो मूलत: किसी अन्य को नहीं अपने आप को शांत चित्तता से वंचित करते हैं। शांति सद्भाव मूल स्वभाव है तो गुस्सा दुर्भावना मूल स्वभाव का त्याग है। अत: हम कह सकते हैं,गुस्से से परहेज़ करना या दुर्भावना को त्यागना काल धर्म है।

तीन श्रेष्ठ कवियों की पत्रकारिता का आकलन

पुस्तक चर्चा

कृपाशंकर चौबे

समीक्षक महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में प्रोफेसर हैं।

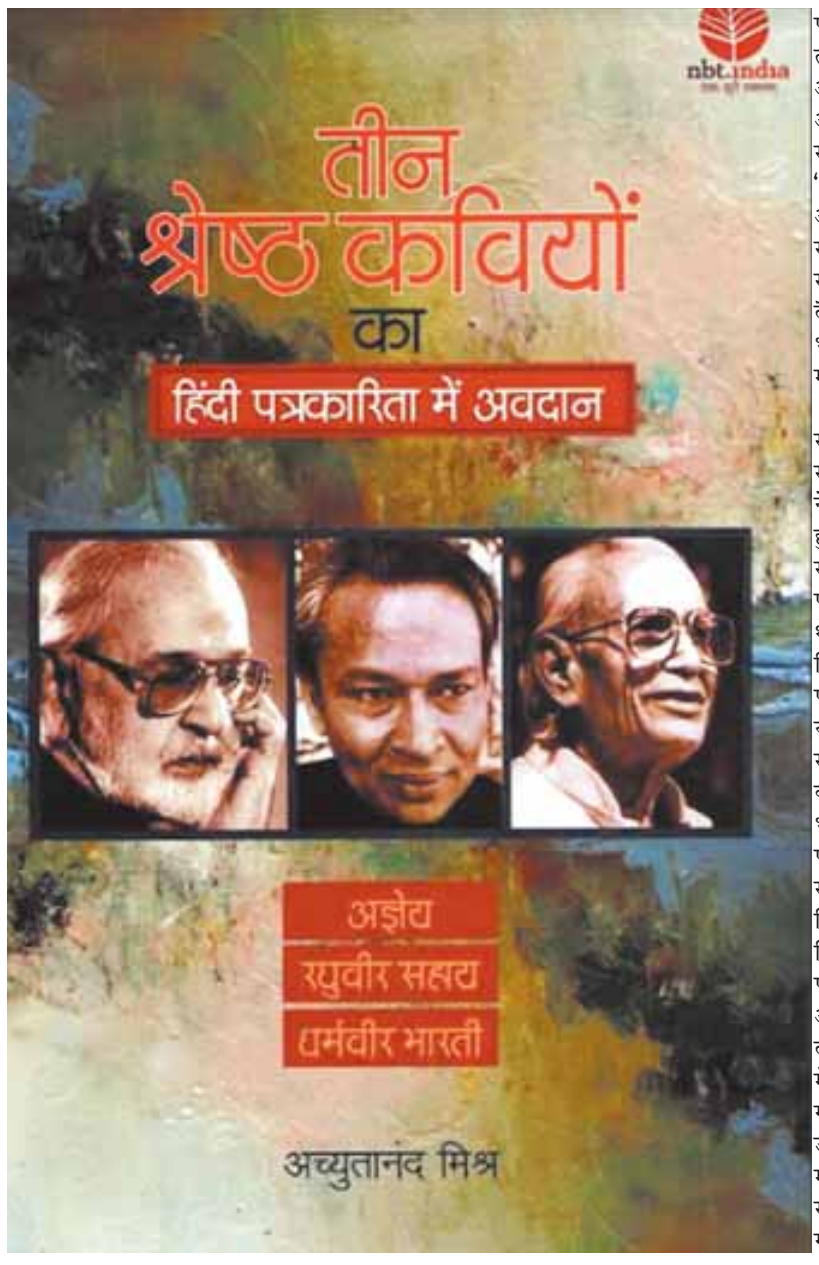

हिंदी के तमाम मूर्धन्य संपादक पत्रकारिता के किसी संस्थान या विश्वविद्यालय से प्रशिक्षित नहीं थे। किंतु वे अपने आप में प्रशिक्षण संस्थान थे। वे पूरे के पूरे पाठ्यक्रम थे और वे ही प्रयोगशाला थे। उनके भीतर अपने समाज को देखने और समझने की अचूक दृष्टि थी। इसलिए पत्रकारिता के पश्चिमी सिद्धांतों को रटने से कहीं ज्यादा आवश्यक भारतीय समाज के भीतर पत्रकारिता के स्वाभाविक विकास को समझना है। उसे समझने के लिए संपादकों की कहानी को जानना जरूरी है। उसमें सिद्धांत भी है, तकनीक भी है, उद्देश्य भी है और भविष्य के लिए प्रेरणाएं भी हैं। यह तभी संभव है जब स्वयं कोई मूर्धन्य संपादक यानी भीतर का अनुभवी व्यक्ति अपनी ज्येष्ठ पीढ़ी के मूर्धन्य संपादकों की कहानी बताए। यह मूल्यवान कार्य हिंदी के मूर्धन्य संपादक अच्युतानंद मिश्र ने अपनी सद्य: प्रकाशित पुस्तक 'तीन श्रेष्ठ कवियों का हिंदी पत्रकारिता में अवदान' में किया है। मिश्र जी ने जिन तीन श्रेष्ठ कवियों की पत्रकारिता की प्रामाणिक कहानी इस पुस्तक में लिखी है, वे हैं- सच्चिदानंद हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय', रघुवीर सहाय और धर्मवीर भारती।

अच्युतानंद मिश्र ने पुस्तक के पहले अध्याय 'साहित्य के तीन महानायक और पत्रकारिता' में लिखा है कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान हिंदी साहित्य और हिंदी पत्रकारिता के बीच विभाजक रेखा अदृश्य थी। प्रस्तुति की शैली और अनुशासन अलग-अलग थे लेकिन दोनों के सामाजिक सरोकार, राष्ट्रभाषा हिंदी के प्रति निष्ठा और राष्ट्रीयता की दृष्टि समान थी। हिंदी गद्य के निर्माण में पत्रकारिता की महत्त्वपूर्ण भूमिका को सभी ने स्वीकार किया है। साहित्य की प्राचीनता और पत्रकारिता की आधुनिकता के बावजूद हिंदी की सांस्कृतिक विरासत और संपूर्ण शब्द संपदा दोनों की अविभाज्य धरोहर है। पौने दो सौ वर्ष के सहविकास का यह रिश्ता अटूट है। अपने दौर के श्रेष्ठतम साहित्य सर्जकों और संपादकों ने इतिहास के इस शानदार और गौरवपूर्ण अध्याय को साथ-साथ लिखा और जिया है। साहित्य के प्रति पूर्ण सम्मान के साथ ही यह स्वीकार करना पड़ेगा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के युद्ध में लोक प्रतिबद्ध पत्रकारिता ने अपने सर्वस्व की आहुति दी थी। सैकड़ों पत्र-पत्रिकाएं और पत्रकारों ने अपना अस्तित्व दांव पर लगाकर सच लिखने, छापने और बोलने का जोखिम उठाया था।

अज्ञेय, रघुवीर सहाय और धर्मवीर भारती ने साहित्य के साथ हिंदी पत्रकारिता में भी सशक्त और सार्थक हस्तक्षेप किया। तीनों को साहित्य से भरपूर सम्मान और पत्रकारिता से अभूतपूर्व लोकप्रियता मिली थी। तीनों ने अपना-अपना साहित्यिक और पत्रकारीय लेखन लगभग साथ-साथ शुरू किया था। अज्ञेय ने 'तारसप्तक' और 'प्रतीक' के माध्यम से उस दौर के कवियों, लेखकों और पत्रकारों को पहचान दी थी। उनके सहयोगी के रूप में रघुवीर सहाय की प्रतिभा सामने आई थी। रघुवीर सहाय की पत्रकारिता 1947 में लखनऊ के दैनिक 'नवजीवन' के माध्यम से और डॉ. धर्मवीर भारती की पत्रकारिता 1948 में प्रयाग में 'संगम' के माध्यम से शुरू हो चुकी थी।

अच्युतानंद मिश्र लिखते हैं कि अज्ञेय, रघुवीर सहाय और धर्मवीर भारती पर स्वतंत्रता पूर्व के संपादकों की छाप थी। उनमें से कुछेक के साथ तीनों ने काम किया था और कई को नजदीक से काम करते हुए देखा था। साहित्य तीनों का पहला आकर्षण था। साहित्य की तरह ही संपादक के रूप में भी तीनों अपने पाठकों में अलग-अलग पहचान के साथ लोकप्रिय थे। तीनों के बीच लोकतंत्र, समाजवाद, व्यवस्था विरोध और हिंदी की अस्मिता निर्विवाद थी। हिंदी पत्रकारिता की भाषा गढ़ने में तीनों ने अपनी शैली में योगदान किया था। तीनों ने हिंदी के साथ भारतीय साहित्य और भाषाओं को प्रोत्साहित किया था। तीनों का फलक विशाल था। वे साहसी और प्रयोगधर्मी थे। भारतीय मनुष्य और मानवीयता उनके साहित्य और पत्रकारिता के केंद्र में थी। तीनों ने मौलिक लेखन के साथ-साथ अनुवाद के माध्यम से भी हिंदी को समृद्ध किया। तीनों को लेकर साहित्य में जो गुटबंदी या विवाद उछाले गए थे, उसकी छाया उनकी पत्रकारिता पर भी थी। लेखन और संपादन में तीनों अपने कथ्य और शिल्प को लेकर बेहद सजग थे। तीनों ने अपने दौर के चर्चित श्रेष्ठ साहित्यकारों से अपनी पत्रिकाओं में बार-बार लिखवाया और छापा। राजनेताओं से गहरे निजी रिश्तों के बावजूद वे राजनीति में नहीं गए। उनका चिंतन प्रगतिशील और आधुनिक था लेकिन वे मार्क्सवादी नहीं थे। उन पर मानवेन्द्रनाथ राय, राममनोहर लोहिया और जयप्रकाश नारायण की गहरी छाप थी। उनके आदर्श उदात्त थे। बिक्री और विज्ञापन बढ़ाने के लिए पत्रिकाओं को सस्ता बनाने के तीनों खिलाफ थे। उन्होंने अपने लेखकों, सहयोगियों और पाठकों की एक पूरी पीढ़ी को अपने ढंग से गढ़ने का काम किया था।

तीनों का नई पीढ़ी पर अद्भुत प्रभाव था। तीनों अपने पांडित्य से आक्रांत करने के बजाए अपने साहचर्य से एक नई स्फूर्ति देते थे। उस दौर के सैकड़ों लेखकों और हजारों प्रबुद्ध पाठकों को उन्होंने स्वयं पत्र लिखकर लेखन के लिए प्रेरित किया और सम्मान से छापा भी था। तीनों ने हिंदी क्षेत्र में मध्य वर्ग के बेचैन युवाओं को भाषाई स्वाभिमान, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सांस्कृतिक पहचान दिलाने की पहल की थी। तीनों स्वप्नद्रष्टा भी थे और कर्मकठोर भी। तीनों ने बुद्धिजीवियों को उनकी निष्क्रियता तथा अकर्मण्यता पर जमकर लताड़ा है।

अच्युतानंद मिश्र ने तीनों मूर्धन्य संपादकों में समानता का वर्णन किया है तो उनके वैचारिक अंतर्विरोध को भी उजागर किया है। कहते हैं कि तीनों को उनके संचालकों ने प्रताड़ित और अपमानित किया था, लेकिन तीनों ने उसके विरुद्ध आवाज नहीं उठाई। प्रश्न है कि आजीविका के लिए मूल्यों के साथ समझौता किस सीमा तक होना चाहिए? जयप्रकाश नारायण को केंद्र में रखकर लिखी गई धर्मवीर भारती की प्रसिद्ध कविता 'मुनादी' का सबसे पहले 'धर्मयुग' में न छपना जैसे मुद्दों को लेकर आज भी सवाल उठाए जाते हैं। इस पुस्तक का महत्व इसलिए है कि यहां पहली बार तीन श्रेष्ठ कवियों के पत्रकारीय अवदान को प्रकाश में लाया गया है। कृष्णबिहारी मिश्र ने इसे अनुशीलन का एक और गवाक्ष कहा है। यह भी रेखांकित करनेयोग्य है कि अच्युतानंद मिश्र ने तीनों श्रेष्ठ कवियों की रचनाओं और उनके द्वारा संपादित पत्र-पत्रिकाओं से गुजरकर, उस दौर के साक्षी रहे साहित्य चिंतकों, विद्वानों और पत्रकारिता के सहयोगियों से संवाद कर संपादक के रूप में उनका वस्तुपरक आकलन किया है। प्रामाणिकता इस पुस्तक की सबसे बड़ी पूंजी है।

अज्ञेय ही रहे %अज्ञेय', रघुवीर सहाय ने पत्रकारिता को नई ऊर्जा दी, धर्मयुग और धर्मवीर भारती, संवादों और साक्षात्कारों के बीच अज्ञेय, अज्ञेय से त्रिलोकदीप की बातचीत, अज्ञेय से नरेश कौशिक की बातचीत, अज्ञेय से भारतभूषण अग्रवाल की बातचीत और जवाहरलाल कौल से अच्युतानंद मिश्र की बातचीत शीर्षक अध्याय भी पठनीय हैं। उन अध्यायों से पाठकों के सामने सामने एक नया परिप्रेक्ष्य खुलता दिखाई पड़ता है। उनमें विचार की कई बार एक नई कौंध मिलती है। यह विशेषता अच्युतानंद मिश्र की दूसरी पुस्तकों- 'सरोकारों के दायरे', 'कुछ सपने, कुछ संस्मरण', 'पत्रों में समय-संस्कृति', 'हिंदी के प्रमुख समाचार पत्र और पत्रिकाएं' (चार खंड) में भी विद्यमान है।

पुस्तक - तीन श्रेष्ठ कवियों का हिंदी पत्रकारिता में अवदान, लेखक -अच्युतानंद मिश्र, प्रकाशक - राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नई दिल्ली, पृष्ठ - 172, मूल्य -225 रुपए, संस्करण-2024

तेज रफ्तार बाइक ने स्कूटी सवार महिलाओं को मारी टक्कर, दोनो की हालत गंभीर

बैतूल। चक्कर रोड पर तेज रफ्तार बाइक ने पीछे से स्कूटी को टक्कर मार दी, जिसके कारण दो महिलाओं को गंभीर चोट लगी है। हादसा बाइक रेसिंग के कारण हुआ है। घायल महिलाओं को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां एक महिला को नागपुर रेफर किया गया है, इस हादसे में बाइक चालक को भी चोट लगी है। पुलिस ने बाइक चालक को हिरासत में ले लिया है और बाइक जब्त कर ली है।

घटना को लेकर जिला अस्पताल पुलिस चौकी प्रभारी सुरेंद्र वर्मा ने बताया कि लक्ष्मी अग्निहोत्री और दीपा पति श्याम अग्निहोत्री एक्सीडेंट में घायल हो गई थी, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिसकर्मी अंकित अग्निहोत्री की मां लक्ष्मी अग्निहोत्री सहित अन्य महिला को सिर में चोट लगी है जिसमे दीपा अग्निहोत्री की हालत गंभीर है उन्हें पसली में चोट लगने के कारण नागपुर रेफर कर दिया गया। वही इस हादसे में बाइक चालक को भी चोट लगी है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि दीपा अग्निहोत्री स्कूटी चला रही थी और उनके पीछे लक्ष्मी अग्निहोत्री बैठी हुई थी दोनों चक्कर रोड पर स्थित अपने घर जा रही थी तभी अलंकार मैरिज गार्डन के सामने उन्हें पीछे से आ रही तेज रफ्तार पल्सर बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी। बाइक की रफ्तार का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि मैरिज गार्डन का गेट भी टूट गया। घटना के बाद स्थानीय लोगो ने तत्काल घायल महिलाओं को जिला अस्पताल पहुंचाया और घटना की सूचना पुलिस को दी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि चक्कर रोड पर युवक बाइक स्टंट और बाइक रेसिंग करते हैं, जिसके कारण कई बार बड़ी-बड़ी दुर्घटना होते बची है। शनिवार की शाम को घटी घटना भी बाइक रेसिंग के कारण घटित हुई है। बाइक रेसिंग और बाइक स्टंट पर प्रशासन को रोक लगानी चाहिए, क्योंकि इस मार्ग पर बहुत कॉलोनी है और शाम के समय लोग घूमने भी निकलते हैं।

हीरापुर में मिट्टी का अवैध उत्खनन करने पर प्रकरण दर्ज

रेत का अवैध परिवहन करने वाली ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त

बैतूल- कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देश पर जिले में अवैध उत्खनन के विरूद्ध मुहिम जारी है। इसी क्रम में खनिज विभाग ने घोड़ाडोंगरी तथा चिचोली तहसील में खनिज माफियाओं के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की है। इस कार्रवाई में घोड़ाडोंगरी तहसील के ग्राम हीरापुर में मिट्टी का अवैध उत्खनन करने पर केएल एंड वीसी कंस्ट्रक्शन कंपनी सारणी पर प्रकरण दर्ज किया गया है। इसके अलावा चिचोली तहसील के ग्राम कोढर में रेत का अवैध परिवहन करते एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया गया है। खनिज अधिकारी मनीष पालेवार ने बताया कि खनिज विभाग के अमले को चोपना क्षेत्र में खनिज मिट्टी के अवैध उत्खनन की सूचना प्राप्त होने पर तहसील घोड़ाडोंगरी के ग्राम हीरापुर में सहायक खनि अधिकारी श्री बीके नागवंशी एवं सहायक मानचित्रकार श्री गणेश धाड़से द्वारा खनिज अमले के साथ मौका निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ग्राम हीरापुर से सालीवाड़ा बस्ती के निर्माणाधीन मार्ग पर 2 ट्रेक्टर क्रमशः एमपी-48-एए-7322, एमपी-48-एए-6815 मार्ग पर मिट्टी डालते पाए गए। इसके साथ ही मिट्टी उत्खनित स्थल पर 2 जेसीबी तथा 6 ट्रैक्टर-ट्राली मिट्टी उत्खनन से बने ताजे गड्ढों के पास खड़े पाए गए। मौके पर मिट्टी उत्खनन से बने 2 गड्ढे की माप की गई। माप अनुसार दोनों गड्ढों से कुल मात्रा 120 घन मीटर मिट्टी का उत्खनन होना पाया गया। मिट्टी से भरे 2 ट्रेक्टर-ट्रालियों को थाना चोपना की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया। इसके अलावा 2 जेसीबी एवं खाली 6 ट्रेक्टर-ट्रालियों को पुलिस थाना चोपना ले जाना संभव नहीं होने के कारण वाहन चालक एवं मशीन ऑपरेटरों को सुरक्षार्थ सुपुर्दगी में दिया गया। सडक़ निर्माण के लिए बिना अनुमति के मिट्टी का अवैध उत्खनन और परिवहन करवाने पर केएल एण्ड वीसी कंस्ट्रक्शन सारनी के प्रो.किशोर चौहान के विरुद्ध अवैध उत्खनन का प्रकरण दर्ज किया गया है।

ग्राम कोढर में खनिज रेत का अवैध परिवहन-श्री पालेवार ने बताया कि खनिज अमला बैतूल द्वारा चिचोली क्षेत्र का आकस्मिक निरीक्षण करने पर ग्राम कोढर में खनिज रेत का अवैध परिवहन करते हुए एक ट्रैक्टर-ट्राली क्रमांक एमपी 48 ए 7022 को जप्त कर पुलिस थाना चिचोली की अभिरक्षा में खड़ा किया गया है तथा वाहन चालक श्री तुलसी उईके पिता श्री मंशु उईके निवासी ग्राम साबाढाना तहसील चिचोली वाहन मालिक श्री गब्बर वरकड़े पिता श्री रूपचंद वरकडे निवासी ग्राम कोढर के विरुद्ध खनिज रेत के अवैध परिवहन का प्रकरण दर्ज किया गया है। उक्त दोनों प्रकरणों में मध्यप्रदेश खनिज अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण नियम 2022 के प्रावधानों के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी।

लाइफ केयर अस्पताल के डॉक्टर और मैनेजर के खिलाफ एफआईआर दर्ज

बैतूल/शाहपुर। शाहपुर स्थित लाइफ केयर अस्पताल प्राइवेट हॉस्पिटल के डॉक्टर और मैनेजर पर आरोप लगा है कि एक इंजीनियर को

अस्पताल के कमरे में बंद करके बेल्ट से पीटा है। पुलिस ने पीड़ित इंजीनियर की शिकायत पर डॉक्टर और मैनेजर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि भोपाल के एक इंजीनियर को अस्पताल के कमरे में 2 घंटे बंद कर बेल्ट से मारपीट की गई। इंजीनियर धनराज परमार का आरोप है कि वह सर्विस इंजीनियर है एवं अस्पताल में ऑर्डर पर मशीन की सर्विस करने के लिए आता है। आज लाइफ केयर मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल की मशीन सर्विसिंग के लिए शाहपुर आया था और लाइफ केयर हॉस्पिटल में लैब में जाकर मशीनों की सर्विसिंग करने के बाद मुझे दूसरे कमरे में चेयर पर बैठा दिया गया, इसके बाद अस्पताल के मैनेजर ने डॉ रवि कदम को वीडियो कॉल किया, तो वीडियो कॉल पर ही डाक्टर ने मैनेजर शैलेंद्र को मुझे मारने के लिए कहा, जिसके बाद मैनेजर द्वारा मुझे गाली-गलौज करते हुए लाइफ केयर हॉस्पिटल के कमरे में बंद करके हाथ, मुक्के एवं बेल्ट से मारपीट की। करीब 2 घंटे बाद सर्विस इंजीनियर थाने आया और वहां उसका मेडिकल करवाया गया है। जिसके बाद हॉस्पिटल के मैनेजर शैलेंद्र एवं डॉ. रवि कदम के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। इस संबंध में शाहपुर टीआई संदीप परतेती का कहना है कि सर्विस इंजीनियर धनराज परमार की शिकायत पर मेडिकल करवाने के बाद पुलिस ने डॉक्टर और मैनेजर के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

मात्र 8 महीने में दर्जनों हादसे, आंख मूंदकर बैठे एनएचएआई और बंसल कंपनी

***बड़े हादसे का कर रहे इंतजार, बसें भी यहां चलती हैं यात्रियों पर मंडरा रहा खतरा, * 30 सेंटीमीटर ऊंचे डिवाइडरों पर हैवी वाहनों के पहिए चढ़ रहे,**

संजय द्विवेदी, बैतूल

बैतूल से चिचोली होते हुए हरदा तक बनाई गई नई फोरलेन सड़क पर टर्निंग वाली जगहों पर बड़े वाहनों के पहिए केवल एक फुट ऊंचे बनाए गए डिवाइडरों के समीप आते ही इन पर चढ़ रहे हैं। इससे यहां दुर्घटनाएं बढ़ती ही जा रही हैं। बैतूल से चिचोली के बीच इस नई फोरलेन सड़क का शुभारंभ होने के मात्र 8 महीने के भीतर ही डिवाइडर पर वाहन चढ़ने की दर्जनों घटनाएं हो चुकी है और इस तरह की दुर्घटनाएं लगातार हो रही हैं, लेकिन एनएचएआई के अधिकारी और निर्माण करने वाली बंसल कंपनी के कर्ताधर्ता इस पर ध्यान देने के बजाय आंखें मूंदे हुए हैं। फोरलेन पर जगह-जगह टूटे हुए डिवाइडर और डिवाइडरों की मिट्टी में पहिए के धंसने के निशान मामले की गंभीरता को खुद बयां कर रहे हैं लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि एनएचएआई के अधिकारीगण और बंसल कंपनी के कर्ताधर्ता किसी बड़े हादसे की राह देख रहें है।

गौरतलब है कि इस रूट पर कई यात्री बसें भी चलती हैं यदि बस के साथ इस तरह की स्थिति बनती है तो यात्रियों को जान-माल का बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। हमारे संवाददाता द्वारा जब बैतूल से चिचोली के बीच बने 40 किमी लंबे फोरलेन का मुआयना किया गया तो यहां पर कई जगहों पर डिवाइडर क्षतिग्रस्त मिले। भड़ूस में एप्रोच रोड विहीन एक स्पॉट पर डिवाइडर का ऊपरी हिस्सा टूटा मिला। इसी तरह खेड़ी जोड़ के समीप के पुल के ऊपर चढ़ते समय टर्निंग पर भी डिवाइडर टूटा मिला। यहां पर डिवाइडर की मिट्टी में पहिए के निशान स्पष्ट नजर आ रहे थे, यहां लगभग 70 फीट तक वाहन डिवाइडर पर चढ़कर आगे गया था।

लगातार हो रहे हादसे-

दो माह पहले भड़ूस के समीप एक स्थान पर सामने से आ रहे ट्रैक्टर से स्वयं के वाहन को बचाने के लिए चालक ने कार को डिवाइडर के जरा सा करीब लाया ही था कि कार के पहिए सीधे फोरलेन के डिवाइडर पर चढ़ गए और कार का इंजन, चेसिस तथा पहिए आदि सब कुछ चकनाचूर हो गया था। उन्हे निर्माण एजेंसी की क्रेन या अन्य सुविधा भी नहीं मिली। यह तो गनीमत थी कि वाहन चालक को गंभीर चोट नहीं आई। उस समय वाहन चालक को क्रेन बुलवानी पड़ी थी फिर कहीं जाकर काफी मशक्कतों के बाद दोपहर से शाम तक क्रेन से कार को हटवाया गया था।

इस तरह बनी सड़क-

बैतूल से हरदा तक 40 किलोमीटर फोरलेन सड़क बनाने वर्ष 2021 में सड़क निर्माण का ठेका बंसल कंपनी को दिया गया था। एनएचएआई ने 24 महीने की टाइम लिमिट रखी थी। काम पूरा होने के बाद माह फरवरी 2024 में इसका वर्चुअल लोकार्पण हुआ। 40.248 किलोमीटर फोरलेन सड़क बना दी और इसका 15 साल का मेंटेनेंस बंसल कंपनी को ही करना है। प्रोजेक्ट की लागत 620.36 करोड़ रुपए थी। इतनी बड़ी राशि तो खर्च हो गयी, लेकिन मोड़ (टर्निंग वाली जगहों) पर सड़क का प्रोफाइल संदेह के दायरे में है।

इनका कहना -

टर्निंग वाली जगहों पर डिवाइडरों की ऊंचाई की जांच करवाएंगे, वैसे तो फोरलेन के बीच में डिवाइडरों की ऊंचाई एक फुट (30 सेंटीमीटर) रखी गई है। लेकिन यदि यहां वाहनों के फोरलेन पर चढ़ने की घटनाएं हो रही हैं तो ऐसी टर्निंग वाली जगहों पर इनकी ऊंचाई की जांच करवाई जाएगी। सड़क का प्रोफाइल भी यहां पर सही है कि नहीं, इसकी भी जांच करवाएंगे।

-मनीष मीणा, प्रोजेक्ट डायरेक्टर, एनएचएआई

मासोद रोड़ स्थित प्रसिद्ध मरी माता मंदिर मार्ग किया बंद, मार्ग खुलाने थाना पहुंचे सैकड़ों श्रद्धालु

बैतूल/मुलताई - मुलताई नगर के मासोद रोड स्थित प्रसिद्ध प्राचीन मरही माता मंदिर में आने जाने के सीमेंट रोड पर लोहे का गेट लगाकर बंद कर दिया गया जिसको लेकर श्रद्धालु में भारी रोष है मरी माता मंदिर के मुख्य मार्ग से लोहे का गेट हटाकर आम श्रद्धालुओं के लिए रास्ता प्रारंभ किए जाने की मांग को लेकर आज सैकड़ो श्रद्धालु थाना मुलताई पहुंचे। मांग पूरी नहीं होने पर लोगो ने आंदोलन और चक्काजाम की चेतावनी दी है। ज्ञापन सौपने थाना परिसर पहुंचने वालों में पार्षद सुरेश पौनिकर, अजय यादव, पिल्लू जैन, चिंटू खन्ना, पूर्व पार्षद बंधु राजेश बारंगे, मारोती पवार, मनोज साबले, भिवजी पवार, सुनील पवार सहित अन्य लोगो ने बताया कि बीते कई वर्षो से यह मंदिर स्थापित है। जिन्होने पूर्व में जमीन बेची उनका भी कहना है कि मंदिर सार्वजनिक है। वर्तमान भूमि स्वामी सुरेश पवार ने इस मंदिर का न तो निर्माण किया न इसका मंदिर से कोई लेना देना रहा है। इसके वास्तविक जमीन के मालिक की मृत्यु होने पर परिवार बटवारे के विवाद के कारण ये अब जान बूझ के विवाद कर दर्शन करने वाले और मंदिर व्यवस्थापन करने वालो को परेशान किया जा रहा है। वही मुख्य द्वार पर लोहे का गेट लगाकर ताला लगा दिया है। मंदिर की पुताई सफाई, दर्शन इत्यादि नहीं करने दिया जा रहा है। जिससे आम जनता की धार्मिक भावना आहत हो रही है। सभी ने मंदिर के मुख्य द्वार को सोमवार तक खुलवाने की मांग की है। मांग पूरी नहीं होने पर जन आन्दोलन और चक्का जाम करने की चेतावनी भी दी है।

नव दंपति शिविर में दाम्पत्य जीवन के सूत्र बताए गए, 91 जोड़ों ने लिया भाग

बैतूल। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज के मार्गदर्शन में विनोबा वार्ड स्थित इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में एक दिवसीय नव दंपति शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ जिला समन्वयक डॉ. कैलाश वर्मा, उपजोन समन्वयक दीपचंद मालवी, जिला सह समन्वयक रविशंकर पारखे, जिला समन्वय समिति के सदस्य टी. के. चौधरी, जिला महिला प्रकोष्ठ प्रभारी श्रीमती निर्मला चौधरी और प्रशिक्षण टीम ने वेदमाता गायत्री के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर डॉ. कैलाश वर्मा और दीपचंद मालवी ने नव दंपति शिविर की महत्ता पर प्रकाश डाला। शिविर में कुल 112 जोड़ों ने पंजीयन कराया, जिनमें से 91 जोड़े उपस्थित रहे। भोपाल से आई प्रशिक्षक टीम की श्रीमती मधु श्रीवास्तव, दीप्ति भारद्वाज, राजश्री चौरिया, नम्रता जोशी और लेखा राठौर ने नव दंपतियों को सफल दाम्पत्य जीवन के सूत्र सिखाए। उन्होंने पारिवारिक पंचशीलों को अपनाने, पति-पत्नी और बच्चों के बीच तालमेल बनाने, संस्कारित शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, व्यसन मुक्ति और मोबाइल से दूरी बनाए रखने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन दिया। शिविर में नव दंपतियों को औषधीय पौधे भी वितरित किए गए, जिन्हें मधु वर्मा और मुकेश गुड्डा वर्मा ने प्रदान किया। कार्यक्रम में देवेंद्र साहू, युगलकिशोर डिगरसे और पारण्या साहू का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर पंडित धनराज धोटे द्वारा युग संगीत प्रस्तुत किया गया।

पिता ने पैसे नहीं दिए तो पुत्र ने डंडे मार के कर दी पिता की हत्या

पुलिस ने किया खुलासा, कलयुगी पुत्र को भेजा जेल,

बैतूल/मुलताई - मुलताई क्षेत्र के ग्राम चिखली कला में रिश्तो को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। जिसमें एक निर्दय बेटे ने अपने पिता की डंडे से पीट-पीट कर इसलिए हत्या कर दी क्योंकि उसके पिता ने उसे पैसे नहीं दिए थे ।

उक्त घटना के संबंध में पुलिस ने खुलासा करते हुए बताया कि फरियादी साहेबलाल उसके घर (ग्राम चिकलीकलां चौकी दुनावा) के सामने आंगन में बैठा था, हंसलाल तुमडाम भी उसके घर के सामने बैठा था तभी हंसलाल का बेटा गुड्डू उर्फ रामकिशोर तुमडाम उसके घर के अंदर से बाहर निकलकर आया और उसके पिता हंसलाल से पैसे मांगने की बात पर से उसके पिता हंसलाल को गालियां देने लगा और उसके साथ मारपीट करने लगा और हंसलाल को पकडकर उसके घर के अंदर ले गया और उसके साथ मारपीट करने लगा, हंसलाल के घर से उसकी चीख पुकार की आवाज आ रही थी, कुछ देर बाद हंसलाल की आवाज बंद हो गई फिर हंसलाल तुमडाम की बेटी रामरति धुर्वे ने हंसलाल के घर पर जाकर देखा तो उसने बताया कि उसके पिता हंसलाल के सिर से खून निकल रहा है और उसका भाई रामकिशोर उर्फ गुड्डू लकडी का बैट बल्ला और बांस का टूटा हुआ डंडा लेकर खड़ा है, उसके पिता की सांस नहीं चल रही है उसकी मृत्यु हो गई है, रामकिशोर मौके से उसकी बहन को देखकर भाग गया । रामकिशोर तुमडाम ने उसके पिता हंसलाल तुमडाम को लकड़ी के बैट बल्ले और बांस के डंडे से मारकर उसकी हत्या कर दिया।

आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

थाना प्रभारी मुलताई राजेश सातनकर द्वारा प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए आरोपी रामकिशोर की तलाश की गई, जो ग्राम चिखलीकलां में मिला। जिसे घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया। आरोपी द्वारा जुर्म करना स्वीकार किया गया एवं आरोपी रामकिशोर से हत्या में प्रयुक्त लकड़ी का बल्ला, बांस के डंडे और खून से सने कपडे बरामद किए गए। आरोपी रामकिशोर तुमडाम के द्वारा अपराध धारा का जुर्म घटित करना पाये जाने से उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया ।

उल्लास नवभारत साक्षरता परीक्षा सम्पन्न

बैतूल। आज रविवार 22 सितंबर को सम्पूर्ण बैतूल जिले में उल्लास नवभारत साक्षरता मूल्यांकन परीक्षा देने के लिए सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक जिले के समस्त सामाजिक चेतना केन्द्रों पर उत्साह के साथ असाक्षरों ने भाग लिया। उक्त विषय में जानकारी देते हुए जिला परियोजना समन्वयक जितेन्द्र कुमार भनारिया ने बताया कि 15 वर्ष से अधिक उम्र के व्यस्क, जिन्होने औपचारिक शिक्षा प्राप्त नही की है, उनके लिए राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्राधिकरण भारत सरकार द्वारा उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत आज जिले में राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल द्वारा दिये गये 46508 असाक्षरों के लक्ष्य अनुसार लगभग 43345 असाक्षर परीक्षा में शामिल हुए है। आज सुबह 10 बजे से ही सामाजिक चेतना केन्द्रों पर साक्षरता परीक्षा हेतु उत्साह का माहौल था।

विभागीय कर्मचारियों, असाक्षर साथियों एवं सामाजिक संगठनों द्वारा असाक्षरों को परीक्षा में शामिल कराने हेतु भरसक प्रयास किये गये। जिला परियोजना समन्वयक श्री भनारिया द्वारा सभी कर्मचारियों एवं अक्षर साथियों एवं सामाजिक संगठनों द्वारा सहयोग प्रदान करने के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

पूर्व पंचायत इंस्पेक्टर एवं समाजसेवी सेवाराम चौहान को दी श्रद्धांजलि

देवास। कर्मठ समाजसेवी एवं पंचायत निरिक्षक की स्व सेवाराम चौहान पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अनुसूचित जाति परिषद की अध्यक्ष आत्माराम परिहार ने कहा कि उनके द्वारा किए गए सामाजिक सुधार कार्य से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए। स्वर्गीय बाबूजी मंत्री जी के नाम से मशहूर थे। उस समय के समाजसेवी थे जब समाज बहुत अशिक्षित ओर बहुत पिछड़ा हुआ था। उस वक्त उन्होंने पुर्व मंत्री सांसद स्वर्गीय बापू लाल मालवीय और शिक्षक मूलचंद मालवी के साथ मिलकर समाज में शिक्षा के लिए जागृति पैदा की और उनके

सहयोग से समाज के बच्चों के लिए छात्रावास की स्थापना में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। श्रद्धांजलि सभा में सेवानिवृत कर्मचारी अधिकारी संघ के कांग्रेस के अध्यक्ष बाबूलाल मालवीय, जयप्रकाश मालवीय, समाज सेवी भागीरथ मीरपुर, सुभाष गोऋषि, बनेसिंह मालवीय इंदौर, रामचंद्र सौनेर, हेमराज परमार, आदि समाजसेवी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर श्री चौहान के पुत्र इंजीनियर कैलाश चौहान महेंद्र सिंह चौहान भी उपस्थित थे।

अंजलि पाटीदार ने 800 मी एवं 1500 मी दौड़ में स्वर्ण पदक जीता

देवास। जिला एथलेटिक एसोसिएशन के सचिव अनिल श्रीवास्तव एवं अध्यक्ष मदनलाल कहार ने बताया कि 60 वी राज्य एथलेटिक चौंपियनशिप जो कि इंदौर अहिल्या विश्वविद्यालय परिसर खेल मैदान पर मध्य प्रदेश एथलेटिक एसोसिएशन एवं इंदौर

जिला एथलेटिक एसोसिएशन द्वारा आयोजित की गई थी। जिसमें देवास जिला एथलेटिक एसोसिएशन की ओर से अंजलि पाटीदार ने 20 वर्ष आयु समूह में 800 मी एवं 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता एवं पूनम सविता ने 400 मीटर में कांस्य पदक जीता। इन खिलाड़ियों को मध्य प्रदेश मध्य प्रदेश एथलेटिक एसोसिएशन के अध्यक्ष अमानत खान एवं सचिव मुरलीधर अर्जुन ने सम्मानित किया। इस अवसर पर अनिल श्रीवास्तव उपस्थित रहे। खिलाड़ियों की शानदार सफलता पर देवास जिला एथलेटिक एसोसिएशन की ओर से राजीव श्रीवास्तव, जितेंद्र गोस्वामी, पवन यादव, मनोज सिंह, अनुपम, रागिनी चौहान, अंजलि के पिता शैलेंद्र पाटीदार आदि ने बधाई दी है।

मां चामुंडा सेवा समिति ने कथा वाचक कृपा सिंधु महाराज का किया बहुमान

देवास। बीएनपी रोड स्थित चामुंडा पूरी राधागंज में पंडित परिवार द्वारा पितरों के निमित्त श्राद्ध पक्ष में आयोजित की गई सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन वृंदावन धाम से पधारे कथावाचक पंडित कृपा सिंधु महाराज का मां चामुंडा सेवा समिति द्वारा समिति संयोजक समाजसेवी रामेश्वर जलोदिया, नारायण व्यास,

नरेंद्र मिश्रा के मुख्य आतिथ्य में शाल,श्रीफल एवं पुष्पालाओं से बहुमन किया गया। कृपा सिंधु महाराज ने मां चामुंडा सेवा समिति द्वारा नवरात्रि में मां चामुंडा पहाड़ी पर मां तुलजा भवानी व मां चामुंडा के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं के लिए 24 घंटे लगाए जाने वाले विशाल भंडारे, नारायण सेवा, मानवसेवा की प्रशंसा करते हुए कहा कि मां चामुंडा सेवा समिति द्वारा किया जा रहा कार्य प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय है। हमें ऐसे मानव सेवा के कार्यों में आगे आकर कार्य करना चाहिए। इस अवसर पर पर आयोजन समिति के कैलाश, राजेंद्र, घनश्याम, ओम पंडित मां चामुंडा सेवा समिति पदाधिकारी समाजसेवी रामेश्वर जलोदिया, नरेंद्र मिश्रा, नारायण व्यास, बीड़ी रावल,सुशील शिंदे, शशिकांत गुप्ता, रमेश पांचाल, कमल चौहान, राधेश्याम बोडाना, सुरेंद्र सिंह तोमर सहित श्रद्धालु उपस्थित थे।

भाजपा का महा सदस्यता अभियान जारी,प्रथम चरण में 2000 सदस्य बनाने का लक्ष्य

देवास। भारतीय जनता पार्टी देवास के वरिष्ठ दिलीप सिंह जाधव बाबा के नेतृत्व में विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी का महा सदस्यता अभियान निज निवास पर प्रारंभ किया गया। सदस्यता अभियान में बाबा जाधव मित्र मंडल के सभी सदस्यों ने शहर के आम एवं खास एवं वरिष्ठ नागरिकों को भारतीय जनता पार्टी की ऑनलाइन सदस्यता दिलवाई। प्रथम चरण में कुल 2000 सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है इस अवसर पर मनीष पारीक, कीर्ति चव्हाण, अजित भल्ला, महेश मीठे, सुरेश चौधरी, बालासाहब देशमुख, धीरज साह, रजनीश द्विवेदी, गुरुचरण पहलवान, भावेश वाबले, विनोद पटेल, चेतन, जयेश, आदित्य उपाध्याय, आनंद दुबे, नरेंद्र पंडित सहित शहर के कई वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बेटियां अब हर असंभव को संभव कर रही है

विश्व बेटी दिवस पर जय हिन्द सखी मंडल की परिचर्चा

देवास। जय हिन्द सखी मंडल ने विश्व बेटी दिवस के उपलक्ष्य में एक परिचर्चा का आयोजन किया। आयोजन में चर्चा प्रारंभ करते हुए उषा पटेल ने कहा कि बेटी है तो कल है। यदि परिवार की धूरी माँ है तो भविष्य की धूरी बेटी होती है। भारतीय समाज में बेटी लक्ष्मी स्वरूपा मानी जाती है। इस मान्यता को स्थापित करने के लिए ही नवरात्रि के साथ विभिन्न धार्मिक अवसरों पर कन्या पूजन की परम्परा सतत जारी है। बेटी पवित्रता, एकाग्रता, अखंडता और सौम्यता की स्नेहलता होती है। नाजिश खान ने कहा कि बेटियों से घर आबाद होता है बिन बेटी सब सून। घर के मैनेजमेंट में मां का सबसे बड़ा सहारा बेटी ही होती है। यदि घर में बेटी है तो परिवार को एक भरोसा रहता है। बेटियों में सहजता, सरलता और सहयोग के गुण प्राकृतिक होते हैं। जया चौहान ने कहा कि वे दिन हवा हो गए जब बेटियों को अभिशाप समझा जाता था। अब बेटियां किसी परिवार के लिए वरदान से कम नहीं है। घर परिवार की जिम्मेदारियों को एक बेटी बहुत अच्छे से समझती है। अतिथि स्वागत भी बेटी के हाथों ही होता है। माता पिता की भावनाओं को यदि कोई अच्छे से समझ सकता है तो वह बेटी ही है। माता पिता जिस पर आंख बंद कर भरोसा कर सकते हैं वह बेटी ही है। माता-पिता के सुख-दुख में काम आने वाली बेटी ही होती है। रोजा पठान ने कहा कि बेटियां बोझ नहीं है। अब तो बेटियां बोझ उठा रही हैं। बेटी कुदरत का वो नायाब तोहफा है जो किस्मत वाले लोगों को मिलता है। बेटी है जहां जन्नत है वहां। बेटियां अब हर असंभव को संभव कर रही हैं। रेल और हवाई जहाज चलाने से लेकर अंतरिक्ष तक बेटियां अपना परचम लहरा रही हैं। भारतीयों की बात करें तो कल्पना चावला और सुनीता पंड्या जो कि अब सुनीता विलियम्स है, बेटियों की श्रेष्ठता का सर्वमान्य उदाहरण है। इस अवसर पर पूर्वा बारवाल और अंजली राणे ने भी बेटी दिवस पर अपने विचार व्यक्त किए। संचालन तनुश्री विश्वकर्मा ने किया। आभार स्नेहा ठाकुर ने माना। रूपरेखा हर्षा महाजन और जसविंदर ग्रेवाल की थी। संकल्पना रविन्द्र वर्मा और नीलम पटेरिया की थी।

सवा करोड़ शिवलिंग निर्माण उत्सव नवंबर में..

नर्मदापुरम-धर्माचार्य सोमेश परसाई द्वारा सवा करोड़ शिवलिंग निर्माण और भव्य रुद्राभिषेक का अद्वितीय आयोजन प्रति वर्ष के भांति इस वर्ष भी हैप्पी मैरिज गार्डन कोठीबाजार में 7 नवम्बर से 13 नवम्बर तक मनाया जायेगा। इसकी घोषणा करते हुए धर्माचार्य आचार्य श्री परसाई जी ने बताया कि जो

भी व्यक्ति शिवलिंग का निर्माण करता है, वह अपनी किस्मत को स्वयं संवार सकता है। शिव की आराधना से जीवन में सभी बाधाएं दूर होती हैं और सुख-समृद्धि प्राप्त होती है।

सरस्वती शिशु मंदिर की बहिन निधी भाला फेंक, शौर्य दीक्षित दौड़ में अव्वल

खंडवा में लेंगे 26 सितंबर को भाग

हीरालाल गोलानी सोहागपुर

सरस्वती शिशु मंदिर सोहागपुर के भैया बहनें समस्त प्रतियोगिताओं नगर का नाम रौशन कर रहे हैं। सरस्वती शिशु मंदिर में बहिन निधी रघुवंशी (किशोर वर्ग) ने प्रान्त स्तरीय खेलकूद एथलेटिक्स प्रतियोगिता समारोह शिवपुरी में भाला फेंक में प्रथम स्थान एवं शौर्य दीक्षित (किशोर वर्ग) ने 100 एवं 200 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान ,लंबी कूद में द्वितीय स्थान एवं 4/100 रिले में द्वितीय स्थान प्राप्त होने की खबर सरस्वती शिशु मंदिर आई तो मानो पूरा स्कूल खुशी से झूम उठा।

तब अनायास ही आचार्य जीवन जी दुबे के मुख से कवि वाहिद अली वाहिद की पंक्तियां द्वंद कहा तक पाला जाए ।युद्ध कहा तक टाला जाए।तू भी है राणा का वंशज।फेंक जहां तक भाला जाए निकल पड़ा।

प्राचार्य अशोक कुमार दुबे ने बताया कि प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता शिवपुरी में सरस्वती शिशु मंदिर के भैया बहनों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। जिसमें बहिन निधि रघुवंशी ने भाला फेंक में प्रथम स्थान एवं शौर्य दीक्षित ने दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। वहीं शिवम् कहार (तरूण वर्ग)

110 मीटर बाधा दौड़ प्रथम ,तारा सिंह धानक (किशोर वर्ग)1500 मीटर दौड़ एवं 400 मीटर दौड़ द्वितीय ,रूबी पाल (किशोर वर्ग)200 मीटर दौड़ द्वितीय स्थान पर रहे हैं।सभी भैया बहिन क्षेत्र स्तरीय खेलकूद (एथलेटिक्स)समारोह खंडवा मालवा प्रान्त में 26 से 29 सितम्बर तक आयोजित कार्यक्रम में खेल शिक्षिका निकिता कुशवाहा के साथ सहभागिता करेंगे। उल्लेखनीय है कि खंडवा में होने वाली क्षेत्रीय प्रतियोगिता में मालवा प्रांत,मध्य प्रांत (मध्यप्रदेश) एवं छत्तीसगढ़ के प्रतिभागी अपने अपने कौशल का प्रर्दशन करेंगे।

ज्ञातव्य है कि सरस्वती शिशु मंदिर खेल शिक्षिका निकिता कुशवाहा एवं पंचम नागवंशी के मार्गदर्शन में उक्त सफलता अर्जित की है। विचार भारती सह संगठन मंत्री अनिल अग्रवाल, विभाग समन्वयक नर्मदापुरम , रामकुमार व्यास , नेताजी सुभाष चन्द्र बोस शिक्षा समिति के अध्यक्ष कन्नूलाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष अभिषेक जैन,सचिव राजा भैया पटेल, व्यवस्थापक कृष्णा पालीवाल, कोषाध्यक्ष संजीव दुबे , प्राचार्य अशोककुमार दुबे आचार्य दीदीयो ने बधाई देकर उज्जवल भविष्य की कामना की है।

फोटोग्राफर एसो ने किया पैदल केदारधाम यात्री का सम्मान

देवास। देवास से केदारनाथ की 55 दिनों में 1400 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर देवास पहुंचे जितेंद्र सिंह राणा। देश में प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी व देवास से सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी की विजय के लिए जितेन्द्र सिंह राणा ने मन्नत मानी थी। उसी को पूरा करने के लिए उन्होंने केदारनाथ तक की पैदाल यात्रा 55 दिनों में 1400 किलोमीटर तय कर पूरी की।

यात्रा से देवास लौटने पर फोटोग्राफर जीतू, देवास फोटोग्राफर्स वेलफेयर एसोसिएशन के द्वारा विकास नगर पर उनका स्वागत रखा गया। सभी फोटोग्राफर ने मिलकर उनका स्वागत किया। अध्यक्ष मुकेश नागर, विशाल परमार, पप्पू नागर, मुकेश दरबार ,पप्पू चौहान, देवेंद्र ठाकुर प्रवीण चौहान ,नवीन चौहान,महेश, अनूप दुबे, सोनू जोशी एवं एसोसिएशन के सदस्यों ने श्री राणा को पुष्पमाला पहनाकर बधाई दी।

अखिल भारतीय महापौर परिषद राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक सोमवार को देवास में

देवास। अखिल भारतीय महापौर परिषद राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 23 सितम्बर सोमवार को सुबह 09 बजे से होटल रामाश्रय पेराडाइज देवास में होगी। होने वाली बैठक मे मुख्य अतिथी राज्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास म.प्र. शासन प्रतिमा बागरी, सांसद व राज्यसभा सदस्य नवीन जैन, देवास विधायक श्रीमंत गायत्री राजे पवार, प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री उमाशंकर गुप्ता, राष्ट्रीय महापौर परिषद अध्यक्ष श्रीमती माधुरी अतुल पटेल, जिलाध्यक्ष राजीव खण्डेलवाल की विशेष उपस्थिती रहेगी। महापौर गीता अग्रवाल ने बताया कि 23 सितम्बर सोमवार को सुबह 9 बजे कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। इसके पश्चात अतिथियों का स्वागत, वंदन होगा। इसके उपरांत बैठक का शुभारंभ होगा। तत्पश्चात पुन महापौर राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पधारे सदस्य महापौर पदाधिकारीगणों के द्वारा महापौर गीता दुर्गेश अग्रवाल के साथ प्रथक से बैठक आहूत की जावेगी जिसमे सभी महापौरगण एवं पदाधिकारी अपने अपने विचार साझा करेगें। इसके पश्चात सांय 4 बजे माताजी टेकरी पर मॉ तुलजा भवानी व मॉ चामुण्डा के दर्शन करेगें। इसके उपरांत 4.30 बजे बिलावली मे स्थित भगवान महांकाल के दर्शन करेगें। सांय 5 बजे इन्दौर रोड श्रीमंत तुकोजीराव पवार स्पोर्टस पार्क का भ्रमण करेगें तत्पश्चात बैठक का समापन होगा।

अर्जुन भगवान कृष्ण की अचिन्त्य शक्ति के कारण ही विश्व रुप देख पाए- वृन्दावन चंद्र दास

नर्मदापुरम। सुबह सुबह टहलने जाते हुए लोग एलआईसी दफ्तर के सामने हरिनाम संकीर्तन की आ रही ध्वनि सुनकर जरुर चौंक जाते पर, आ रहे हरिनाम संकीर्तन ध्वनि का पीछा करने से उनका मन उन्हें मानों रोक देता, उस भौतिक सुख के लिए जो स्थाई नहीं.? कानों को प्रिय लगने वाले उस हरिनाम संकीर्तन ध्वनि को खोजने का प्रयास नहीं करते, इतने सुबह संकीर्तन करने वाले आखिर ये लोग कौन..? सुख की नींद छोड़कर कर आखिर हरिनाम संकीर्तन करने वाले ये संदेश क्या दे रहे उसका जीवन में क्या लाभ..? क्षणभंगुर इंद्रिय भोग के लिए ये लोग इस आध्यात्मिक परम सुख से हर दिन कोसों दूर जा रहे जबकि हर सुबह पांच बजे इस्कॉन मंदिर से जुड़े वैष्णव और कृष्ण भक्त हर दिन भगवान कृष्ण की भक्ति करते हुए हर एक को राम नाम यज्ञ में शामिल करने का नियम से न्यौता देते आ रहे..! जीवन में इंद्रिय तृप्ति, भौतिक सुखों की जरुरत जरुर है लेकिन कितनी..? ठिठकने वाले इस पर ध्यान नहीं देकर सुबह से इंद्रिय तृप्ति के लिए भागे जा रहें, जबकि हर सुबह सूर्योदय से पहले भगवान कृष्ण की प्रसन्नता के लिए हरिनाम संकीर्तन के साथ वैष्णव और कृष्ण भक्त प्रभु की स्तुति कर अलौकिक आंनद प्राप्त कर रहे, हरिनाम का तेज तीव्र और उच्च स्वर के मध्य बजने वाली शंख और उलू ध्वनि के साथ थमने वाले संकीर्तन के बाद अचानक छाने वाली शांति की तलाश इस मंगल आरती में शामिल होने वाला भक्त महसूस कर आध्यात्मिक प्रगति कर रहे। आज यहां रविवारीय दिन

उत्सव की भांति मना, भगवान कृष्ण, भगवान नरसिंह और भक्ति देवी तुलसी आराधना में बजती मृदंग, करतल और करताल की युगल बंदी से पूर्ण होती आराधना के बाद सामूहिक महामंत्र जाप की दिनचर्या करते वैष्णव और कृष्ण भक्तों ने सवा सात बजे दर्शन आरती और कृष्ण भक्ति से संसार को एक सूत्र में जोड़ने वाले गुरु श्रील प्रभुपाद की पूजा कर अद्भुत आनंद प्राप्त किया। इस्कॉन मंदिर परिवार के मुखिया प्रणव दास प्रभु ने सुबह कार्यक्रम समाप्ति के पूर्व श्रीमद् भागवतम् श्रवण किया और उपस्थित सभी भक्तों ने प्रसादम ग्रहण किया, साढ़े ग्यारह बजे फिर रविवारीय दोपहर कार्यक्रम भजनों के साथ आरंभ हुआ, वृंदावन चंद्र दास प्रभु ने आज मंदिर में भक्तों को यथारुप श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोक संख्या 11 के 9.10.11 को विस्तार से समझाया कि कुरुक्षेत्र में भगवान कृष्ण और अर्जुन के मध्य हो रहे संवाद में भगवान कृष्ण अपने प्रिय सखा अर्जुन की जिज्ञासा शांत करते हुए मनुष्यों को मुक्ति का मार्ग दिखा रहे हैं। प्रभु जी ने बताया कि भगवान कृष्ण ने (इस श्लोक में) अर्जुन को यहां विश्व रुप दिखाया, अर्जुन ने उस विश्व रुप में असंख्य ब्रम्हांड में फैले भगवान के सभी विराट रुप को एक जगह कुरुक्षेत्र में भगवान कृष्ण की कृपा से देखा। प्रभु जी ने बताया कि भगवान के विश्वरूप में असंख्य मुख, असंख्य नैत्र तथा असंख्य आश्चर्य मय दृश्य देखे जो अनेक देवी आभूषणों से अलंकृत था, इसमें अनेक देवी हथियार उठाए हुए देवी मालाएं और वस्त्र धारण किए था उनमें अनेक दिव्य सुगंधिया लगी थी, सब कुछ आश्चर्य जनक, तेजोमय और अद्भुत कर देने वाला भगवान का विश्व रुप जिसकी कोई सीमा नहीं थी, सब भगवत्कृपा से अर्जुन भगवान कृष्ण की अचिन्त्य शक्ति के कारण देख पाए.. प्रवचन के पश्चात भगवान की दोपहर आरती हुई और मंदिर में उपस्थित सभी भक्तों ने आध्यात्मिक चेतना की प्रगति के लिए भगवान का उच्छिष्ट प्रसादम (भंडारा) ग्रहण कर अवकाश का दिन रविवार उत्सव की तरह मनाया।

पुलिस दबिश का डर बताकर रेलकर्मी की पत्नी से ठगी

भोपाल में घर पहुंचे युवक ने कहा पुलिस छापा मारने वाली है, जेवरात और नकदी शिफ्ट कर दो

भोपाल (नप्र)। भोपाल के बजरिया इलाके में रेलवे कर्मचारी की पत्नी को जालसाज ने ठग लिया। आरोपी ने उसके पति की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की दबिश का डर दिखाकर सोने के जेवरात और नगदी शिफ्ट करने की बात कही। आरोपी की बातों में आई महिला ने उसे केश और जेवरात दे दिए। इसके बाद बदमाश फरार हो गया। पति के रात में घर पहुंचने पर पूरे मामले का खुलासा हुआ। पुलिस ने इस मामले में आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

टीआई जितेंद्र गुर्जर के मुताबिक शैलजा कुमारी पति हेम संगवानी (32) कोच फैक्ट्री में रहती है। पति रेलवे में नौकरी करता है। शनिवार की दोपहर महिला अपने घर में अकेली थी। तभी एक अज्ञात व्यक्ति आया और उसने बताया कि पुलिस उसके पति की तलाश कर रही है, और वह दबिश देने के लिए उनके घर भी आने वाली है। यह बात सुनकर महिला घबरा गई। इतना ही नहीं आरोपी युवक ने कहा कि वह जेवरात और नकदी निकालकर दूसरी जगह रख दे। क्योंकि पुलिस दबिश देकर वह भी अपने साथ लेकर चली जाएगी।

पति के साथ थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई- दहशत में आई महिला ने सामान निकाल रख लिया और दूसरी जगह रखने के लिए ले जाने लगी। तभी बदमाश ने अचानक कहा कि पुलिस आ रही है, और वह सामान उसे दे दे। इससे दहशत में आई महिला ने जब उसे सामान दे दिया तो बदमाश मौका देकर भाग गया। पति जब रात को घर आया तो महिला ने उसे पूरा घटनाक्रम बताया और देर रात थाने पहुंची।

सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही पुलिस- शिकायत के बाद पुलिस की टीम उनके घर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज को खंगाला। हालांकि पुलिस को अभी तक कोई सफलता हाथ नहीं लग सकी है। घर के पीछे वाले हिस्से में जंगल है। इसलिए पुलिस का अनुमान है कि बदमाश जंगल के रास्ते भागा है।

कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी संघ के चुनाव में घमासान

अध्यक्ष पद के लिए 7 फार्म भरे, वरिष्ठ उपाध्यक्ष के लिए 11 अफसरों ने नामांकन दाखिल किए

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी सेवा संघ के आज चुनाव हो रहे हैं। भोपाल के प्रशासन अकादमी में मप्र कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी सेवा संघ का प्रांतीय महा सम्मेलन और साल 2024 का निर्वाचन हो रहा है। इसमें प्रदेश भर के नायब तहसीलदार, तहसीलदार और प्रभारी डिप्टी कलेक्टर शामिल हो रहे हैं। अध्यक्ष और वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए होने वाले चुनाव में घमासान मचा हुआ है। अध्यक्ष के लिए 7 और वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए 11 उम्मीदवारों ने नामांकन फार्म दाखिल किए हैं।

अध्यक्ष पद के लिए 7 अफसरों ने भरे फार्म- अध्यक्ष के लिए 7 उम्मीदवार - डॉ.धर्मेंद्र सिंह चौहान, अमित सिंह, अनिल पटेल, शेखर चौधरी, योगिता वाजपेई,प्रदीप तिवारी, गौरीशंकर बैरवा, मनीष श्रीवास्तव, ने नामांकन दाखिल किए।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष के लिए 11 उम्मीदवार - श्याम नंदन चंदेल, वीर बहादुर सिंह धुर्वे, डॉ.दर्शन लाल नेगी, प्रियंका नेताम, प्रदीप तिवारी, नवीन चंद्र कुंभकार, अंबर पंथी, आलोक श्रीवास्तव , नारायण नांदेड़ा, आकाश शर्मा, शिव शंकर शुक्ला ने नामांकन फार्म भरे हैं।

प्रभारी डिप्टी कलेक्टर नहीं करेंगे वोट- महा सम्मेलन के दौरान प्रभारी डिप्टी कलेक्टर अजय शर्मा ने कहा कि जो साथी तहसीलदार से प्रभारी डिप्टी कलेक्टर के पद का दायित्व निर्वहन कर रहे हैं। उन सभी ने यह निर्णय किया है कि हम इस निर्वाचन में मार्गदर्शक की भूमिका में रहेंगे। प्रभारी डिप्टी कलेक्टर मतदान में भाग नहीं लेंगे।

एक हजार से ज्यादा अधिकारी शामिल होंगे- महा सम्मेलन में शामिल होने आए एक तहसीलदार ने बताया कि प्रदेश भर से करीब एक हजार कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी शामिल होंगे। एक हजार रुपए पंजीयन शुल्क के साथ अधिकारी रजिस्ट्रेशन करा रहे हैं। हालांकि चुनाव के लिए वोटिंग की स्थिति बनेगी ये अभी कह पाना मुश्किल है। कोशिश होगी कि आम सहमति से चुनाव हो जाए।

ऑनलाइन वोटिंग कराकर बने थे अध्यक्ष- सोशल मीडिया ग्रुप पर आनलाइन ग्रुप पर वोटिंग कराने के बाद अध्यक्ष बनाए गए इंदौर में पदस्थ नायब तहसीलदार धर्मेंद्र सिंह चौहान के निर्वाचन को तहसीलदार और नायब तहसीलदारों के संगठन मध्यप्रदेश राजस्व अधिकारी संघ की वर्तमान कार्यकारिणी ने अवैध घोषित किया है।

बाढ़ एवं अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त सड़कों को शीघ्र बनाने की कार्यवाही की जाएगी: मंत्री पटेल

● मंत्री श्री पटेल भिण्ड जिले के बाढ़ पीड़ितों से मिले

भोपाल (नप्र)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास,श्रम एवं प्रभारी मंत्री श्री प्रहलाद पटेल आज भिण्ड जिले के विकास खण्ड लहार के ग्राम विजपुर, विकास खण्ड मेहगांव के ग्राम कछपुरा, ग्राम गुदावली एवं गोहद विकास खण्ड के मौ में पहुंचकर बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने मौके पर संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए।

मंत्री श्री पटेल के साथ विभिन्न बाढ़ पीड़ित ग्रामों में नवीन एवं नवकरणीय उर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला, क्षेत्रीय सांसद श्रीमती संध्या राय सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं नागरिक उपस्थित थे।

उन्होंने गांव के लिए क्षतिग्रस्त रोड का बनाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। साथ ही प्रधानमंत्री आवास के संबंध में कहा कि जिन लोगों को

मकान आवंटित किये गये है उनकी सूची का परीक्षण किया जाए और पात्र व्यक्तियों के यदि योजना के लिए नाम छूट गए है तो नियमानुसार उनके नाम जोड़े जाएं । उन्होंने कहा कि गांव में बाढ़ के कारण सड़कें, मकान, स्कूल की बाउण्ड्री वाल क्षतिग्रस्त हुई है उसे तत्काल बनाया जायेगा। उन्होंने बाढ़ पीड़ितों की हर संभव सहायता करने का आश्वासन दिया। ग्राम विजपुर में क्षेत्रीय विधायक श्री अम्बरीश शर्मा के द्वारा रखी गई सभी मांगो का प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने सहमत होते हुए पूरा करने का आश्वासन दिया।

मंत्री श्री पटेल ने ग्राम मौ, गुदावली एवं कछपुरा में अतिवृष्टि से पीड़ित लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं के समाधान का आश्वास दिया। साथ ही ग्राम कछपुरा एवं गुदावली में वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त हुए मकान, रोड आदि के संबंध में चर्चा की। उन्होंने कहा कि मुख्य मार्ग से गुदावली गांव की ओर जाने वाली सड़क एवं पुलिया बनाई जा रही है, उसकी ऊंचाई में बढोत्तरी की जाए और अच्छी गुणवत्ता के साथ शीघ्र बनाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही दिए। ग्राम कछपुरा में नदी के बढते जल स्तर के कारण जो मकान डूब जाते हैं, उन लोगो से कहा कि आप लोग की सहमति पर गांव में उपलब्ध शासकीय भूमि पर प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ देकर विस्थापन की कार्यवाही कराई जाएगी।

मंत्री श्री पटेल ने रावतपुराधाम पहुंचकर हनुमान जी के दर्शन कर पूजा अर्चना की और आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने दंदरौआधाम पहुंचकर महंत श्री रामदास महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया।

भोपाल में कोलगेट से भरे कंटेनर में आग

इंदौर हाईवे पर खजूरी के पास हादसा; केबिन जलकर राख

भोपाल (नप्र)। भोपाल-इंदौर स्टेट हाईवे स्थित खजूरी में रविवार दोपहर एक कंटेनर में भीषण आग लग गई। कंटेनर कोलगेट टूथपेस्ट से भरा था। देखते ही देखते कंटेनर का केबिन जलकर राख हो गया। दमकलों की मदद से कंटेनर में भरा लाखों का माल बचा लिया गया।

घटना दोपहर 3 बजे लगी। जिसे करीब डेढ़ घंटे में काबू पा जा सका। कंटेनर में आग लगने से केबिन पूरी तरह से जल गया। ड्राइवर और क्लियर ने कूदकर अपनी जान बचाई। बैरागढ़ (संत हिरदाराम) फायर स्टेशन से दमकलकर्मी राजू रुघवानी, फरहान अली, मसूद अली, सेम सिंह मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया।

ड्राइवर राजू ने बताया, शार्ट सर्किट की वजह से केबिन में अचानक आग लग गई। तब कंटेनर खजूरी मार्केट में खड़ा था। धीरे-धीरे आग फैल गई और पूरे केबिन को चपेट में ले लिया।

कंटेनर में रखें बॉक्स भी जलने ल- ड्राइवर राजू ने बताया कि सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाने लगी।

हालांकि, केबिन कुछ ही देर में पूरी तरह से जल गया था। आग की लपटों की वजह से कंटेनर भी गर्म हो गया। इस

वजह से अंदर रखा लाखों रुपए का माल जलने लगी। इसलिए सबसे बड़ी चुनौती बॉक्सों को आग से बचाने की थी। कंटेनर खोलकर आग बुझाने लगी। इससे यह माल बचा लिया गया।

दो दमकल और एक टैंकर की मदद से काबू पाये- बैरागढ़ फायर स्टेशन से दो दमकलें मौके पर पहुंची। वहीं, एक टैंकर फतेहगढ़ फायर स्टेशन से मौके पर भेजा गया। तीनों की मदद से आग पर काबू पाया गया।

कंटेनर खुलवाकर बुझाई आग- आग पर काबू पाने के लिए कंटेनर के गेट खोले गए। जैसे ही गेट खुला धुआं निकलने लगा। आग से कुछ बॉक्स जल गए थे। इसलिए अंदर पानी का छिड़काव किया गया। इसके बाद आग बुझाई जा सकी।

हाईवे पर जाम की स्थिति, पुलिस भी पहुंचा- कंटेनर में आग लगने के बाद हाईवे पर जाम की स्थिति बन गई। कई गाड़ियां रोक दी गई। वहीं, घटना को देखने वालों की भीड़ भी लग गई। इसके चलते खजूरी पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को हटाया। इसके बाद ट्रैफिक सामान्य हो सका।

आज से बारिश का एक और दौर

भोपाल समेत 38 जिलों में कोटा फुल; श्योपुर में दोगुनी बारिश, इंदौर-उज्जैन पिछड़े

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में इस साल मानसून उम्मीदों पर खरा उतरा है। भोपाल, ग्वालियर समेत प्रदेश के 38 जिलों में सामान्य बारिश का कोटा फुल हो गया है। यहां 100 प्रति. से 198 प्रतिशत तक बारिश हो चुकी है। श्योपुर ऐसा जिला है, जहां दोगुनी यानी 98 प्रतिशत ज्यादा बारिश हो चुकी है। वहीं, इंदौर, उज्जैन और रीवा पिछड़े हुए हैं।रीवा में सबसे कम बारिश हुई है। रविवार को भोपाल समेत प्रदेश के अधिकतर जिलों में धूप खिली है।

मौसम वैज्ञानिक अभिजीत चक्रवर्ती ने बताया कि 23 सितंबर से लो प्रेशर एरिया की एक्टिविटी देखने को मिलेगी। इसके बाद बारिश का दौर शुरू हो जाएगा, जो सितंबर के आखिरी सप्ताह तक बना रहेगा। इससे पूरा प्रदेश एक बार फिर भीगेगा।

खजुराहो में टेम्प्रेचर 35 डिग्री सेल्सियस के पार- प्रदेश में शनिवार को मौसम का मिला-जुला असर देखने को मिला। दमोह में 20 मिमी यानी पौन इंच बारिश हो गई। भोपाल में दिन में हल्की बूंदाबांदी हुई। नर्मदापुरम में भी हल्की बारिश हुई। दूसरी ओर, दिन का तापमान भी बढ़ा रहा। खजुराहो में पारा 35.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

दमोह में बारिश के साथ ही दिन का तापमान 34.2 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। भोपाल में तापमान 34.8 डिग्री रहा। इसी तरह मंडला, नरसिंहपुर, नौगांव, रीवा, सतना, उमरिया, गुना, ग्वालियर, नर्मदापुरम, रतलाम, उज्जैन में पारा 34 डिग्री सेल्सियस के पार दर्ज किया गया।

पति को बीयर पिलाई, फिर छाती पर बैठकर गला दबाया

ग्वालियर में क्राइम सीरियल देख रची साजिश; पति के दोस्त से था अफेयर

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में नाबालिग भाई के साथ मिलकर पति की हत्या करने वाली महिला ने पुलिस पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। उसने पुलिस को बताया कि पति की छाती पर बैठकर गला घोंटा था। इससे पहले फ्राइड फिश खाई और बीयर पार्टी की। क्राइम सीरियल देखकर पति को मौत के घाट उतारा। उसका पति के दोस्त के साथ अफेयर था।

दरअसल, 19 सितंबर को गिरवाई नाका इलाके में रहने वाले लोकेंद्र कुशवाह (24) का शव घर में कमरे में मिला था। परिजन ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने पत्नी अंजली और उसके मौसेरे भाई से पूछताछ की। भाई ने मर्डर की पूरी कहानी बता दी। बाद में अंजली कुशवाह (23) ने भी वारदात कबूल कर ली।

पुलिस ने बताया कि बॉयफ्रेंड के लिए पति की हत्या की। वारदात में बॉयफ्रेंड का नाम नहीं आए, इसके लिए उसे नौकरी करने केरल भेज दिया। पुलिस ने नाबालिग मौसेरे भाई, अंजली और प्रेमी गौरव को गिरफ्तार कर लिया है।अंजली कुशवाह पर पति की हत्या का आरोप है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है।

गले पर निशान देख पुलिस को कॉल किया

एसपी ने बताया कि लोकेंद्र प्राइवेट जॉब करता था। परिवार में पिता नंदलाल और पत्नी अंजली कुशवाह (23) हैं। 2020 में दोनों की शादी हुई थी। कोई संतान नहीं है।

19 सितंबर को अंजली से मिलने उसकी मौसी का 17 साल का बेटा नंदू आया था। दोपहर करीब 3 बजे जब ससुर घर पहुंचे, तो बहू ने बताया कि लोकेंद्र के सिर में दर्द है। उनके लिए दवा ला दें। मुझे अपने जीजा मनोज कुशवाह के घर जाना है। इसके बाद ससुर दवा लेने चले गए। घर लौटे तो लाइट बंद थी। बहू और उसका भाई भी घर पर नहीं थे। कमरे में लोकेंद्र बिस्तर पर लेटा था। बेटे को जगाने के लिए पिता नंदलाल ने कोशिश की, लेकिन उसने प्रतिक्रिया नहीं दी। इसके बाद वे पड़ोसी की मदद से उसे अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

रोने का नाटक किया, बाद में हत्या करना कबूल किया

जब परिजन लोकेंद्र को अस्पताल ले गए, तब अंजली घर पर नहीं थी। वापस लौटे तब वह घर पर मिली। पति देखकर रोने का नाटक करने लगी। पुलिस को शुरुआत से ही अंजली और उसके मौसेरे भाई पर शक था। जब दोनों से पूछताछ की, तो भाई ने वारदात कबूल की। इसके बाद अंजली ने भी बेखौफ होकर जुर्म स्वीकार कर लिया। उसने पुलिस से कहा कि प्यार के लिए पति को रास्ते से हटाया। पुलिस के हर सवाल का बेखौफ जवाब देती रही। उसे जरा भी पछतावा नहीं है।

एक साल पहले पति के दोस्त पर आया था दिल

अंजली ने पूछताछ में बताया कि लोकेंद्र और क्षेत्र का ही रहने वाला गौरव कुशवाह आपस में दोस्त थे। गौरव का उसके घर पर आना - जाना रहता था। वह आर्थिक रूप से भी संपन्न है। अंजली से जान-पहचान हुई और धीरे-धीरे उनकी दोस्ती प्यार में बदल गई। पति की गैरमौजूदगी में भी वह आता-जाता था। इसकी भनक जब लोकेंद्र को लगी, तो उसने विरोध किया। दोस्त को घर आने से मना कर दिया। इसके बाद अंजली ने पति को रास्ते से हटाने का प्लान बनाया।

क्राइम सीरियल देख आया हत्या का आइडिया

पूछताछ में पता चला कि वारदात से पहले अंजली ने मोबाइल और टीवी पर क्राइम सीरियल देखे। करीब एक महीने पहले उसने पूरी साजिश रच ली थी। बॉयफ्रेंड गौरव पर इल्जाम नहीं आए, इसके लिए उसे 15 दिन पहले ही जॉब के लिए केरल भेज दिया। 18-19 सितंबर की दरमियानी रात पति को फ्राइड फिश बनाकर खिलाई। शराब पिलाई। नशा होने के बाद नाबालिग भाई ने जीजा के हाथ पकड़े। पति की छाती पर बैठकर अंजली ने गला घोंट दिया।

कही-सुनी

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

कलेक्टर-एसपी कांफ्रेंस के बहाने ताकत दिखाई मुख्यमंत्री ने

कहते हैं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कलेक्टर-एसपी कांफ्रेंस में किसी मंत्री को नहीं बुलाकर अपनी ताकत दिखा दी। माना जा रहा है कि अब तक बैठकों में उनके इर्द-गिर्द मंत्री नजर आते थे, ऐसे में संदेश जा रहा था कि वे मंत्रियों पर ही निर्भर हैं, लेकिन कलेक्टर-एसपी कांफ्रेंस में मंत्रियों को दूर रखकर विष्णुदेव साय ने मुख्यमंत्री की ताकत दिखा दी। कहा जा रहा है कि कलेक्टर-एसपी कांफ्रेंस में पहले सभी मंत्रियों को बुलाने की योजना थी, पर सलाहकारों की राय पर योजना बदल दी गई। यहां तक एसपी कांफ्रेंस में गृहमंत्री को भी दूर रखा गया। चर्चा है कि सरकार कि छवि चमकाने मुख्यमंत्री ने कड़े फैसले भी लेने लग गए हैं। ख़राब परफॉर्मेंस पर बस्तर कलेक्टर और मुंगेली के एसपी की विदाई, फिर कवर्धा जिले के कांड में कलेक्टर-एसपी को हटाने के साथ रेंगाखार थाने के पूरा स्टाफ बदल देना और एक आईपीएस समेत तीन लोगों का निलंबन कठोर निर्णय का नमूना है।

गाने के शौकीन कलेक्टर साहब

कहते हैं एक छोटे जिले के कलेक्टर साहब गाने के बड़े शौकीन हैं। कभी-कभी तो साहब सरकारी मीटिंग में ही गाना गाने लग जाते हैं। साहब के बारे में आम धारणा है कि वे गुहार करने से काम नहीं करते, लेकिन कोई उनके गाने की तारीफ कर दे तो साहब फटाफट उसका काम कर देते हैं। जिले के लोग साहब के मिजाज को समझ गए हैं, इसलिए काम के लिए पहले कुछ नहीं कहते, उनके गाने की तारीफ़ से बात शुरू करते हैं, फिर पेंडिग फाइल की बात करते हैं। कांग्रेस की सरकार में साहब पर एक बार गाज भी गिर चुकी है। किस्मत ने साथ दिया और साहब भाजपा राज में कलेक्टर की कुर्सी पर बैठ गए।

देर आयद, दुरुस्त आयद

सरकार ने कवर्धा जिले के लोहरीडीह गांव में उपद्रव के बाद पुलिस की पिटाई से एक युवक की मौत के बाद सख्त एक्शन लेते हुए कलेक्टर और एसपी को हटाने के साथ रेंगाखार थाने के पूरे स्टाफ को बदल दिया। एक आईपीएस समेत तीन लोगों को निलंबित भी कर दिया। युवक की मौत के बाद सरकार ने एएसपी को तो निलंबित कर दिया, लेकिन बाकी फैसला लेने में उसे दो दिन लग गए। अब सरकार ने फैसला ले लिया है तो लोग कह रहे हैं देर आयद, दुरुस्त आयद। लोग कवर्धा की घटना को पुलिस की चूक मान रहे हैं। कवर्धा संवेदनशील जिला है और गृह मंत्री विजय शर्मा का गृह जिला भी, ऐसे में जिले में अमन -चैन के लिए एसपी की बड़ी भूमिका हो जाती है। जिले के एसपी रहे डॉ अभिषेक पल्लव कानून-व्यवस्था की जगह एक वायरल वीडियो को लेकर सुर्खियों में हैं और कांग्रेस के निशाने पर भी।

लाखों पचा गए नेताजी

कहते हैं एक नेताजी अच्छी पोस्टिंग और एक पुराने मामले को रफा-दफा करने के लिए एक अफसर से अच्छी खासी मोटी रकम ले ली और न पोस्टिंग करा पाए और न ही मामला निपटवा पाए। जरूर लाखों हजम कर गए। खबर है कि नेताजी ने अफसर को मुख्यधारा में लाने के लिए ठेका लिया था। अफसर के मुख्यधारा में आने में एक पुराना मामला रोड़ा बन रहा था, सो नेताजी ने उसके खात्मे की भी सुपारी ले ली। अफसर के साथ 'माया मिली न राम' वाली कहावत चरितार्थ हो गई। नेताजी जिस अफसर की जगह उन्हें पदस्थापित करवाना चाहते थे, वे अपनी जगह कुंडली मारे रहे,ऊपर से ऐसा पव्वा लगाया कि उनको कोई हिला नहीं पाया, उलटे उनकी जगह जाने का ख्वाब देखने वाले को ही बाहर होना पड़ा।

सौदान सिंह की यात्रा चर्चा में

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह की दो दिनी छत्तीसगढ़ यात्रा चर्चा में रही। सौदान सिंह करीब दो दशक तक छत्तीसगढ़ में संगठन के महत्वपूर्ण पदों पर रहे। वैसे सौदान सिंह आए तो भाजपा की नेता सरोज पांडे के पिताजी की तेरहवीं कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए, पर यहां की राजनीति से लंबे समय तक चोली-दामन का साथ रहने के कारण कई लोग उनसे मिले। कुछ भाजपा नेता %भाई साहब% से खुलकर मिले तो, कुछ डरे छिपे। कुछ लोग मिले भी नहीं और कन्नी काट गए। सौदान सिंह छत्तीसगढ़ के कई नेताओं के घर भी गए, कहीं चाय पी, तो कहीं भोजन किया। वे मुख्यमंत्री निवास भी गए। कहते हैं वर्षों बाद भी छत्तीसगढ़ आकर सौदान सिंह चर्चा में रहे।

संघ की बैठक में मंत्रियों की हाजिरी

कहते हैं संघ के समन्वय समिति की बैठक में राज्य के चार मंत्रियों को तलब किया गया था और उन्हें नसीहत भी दी गई। संघ के समन्वय समिति की बैठक पिछले दिनों रायपुर में हुई थी। बैठक में संघ के पदाधिकारी प्रेम सिदार, राष्ट्रीय संगठन सह सचिव शिवप्रकाश और अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। खबर है कि मंत्रियों को कामकाज के तौर -तरीके के अलावा छवि और व्यवहार के बारे में भी सीख दी गई। समन्वय समिति की बैठक में मंत्रियों के बुलावे की राजनीतिक क्षेत्र में बड़ी चर्चा है।

रायपुर दक्षिण में चुनाव की घोषणा अक्टूबर में ?

कहा जा रहा है कि रायपुर दक्षिण विधानसभा में उपचुनाव की घोषणा अक्टूबर के पहले या दूसरे सप्ताह में हो जाएगी। बृजमोहन अग्रवाल के सांसद चुने जाने से यह सीट खाली हो गई है। इस सीट से बृजमोहन अग्रवाल लगातार आठ बार विधायक रहे हैं। माना जा रहा है बृजमोहन अग्रवाल के पसंद के किसी व्यक्ति को यहां से उम्मीदवार बनाया जा सकता है। वैसे यहाँ से भाजपा के कई नेता दावेदारी कर रहे हैं। खबर है कि इस सीट के कुछ दावेदारों को निगम-मंडल में पदाधिकारी बनाकर संगठन भीड़ कम करना चाहती है। चुनाव की घोषणा से पहले ही भाजपा और कांग्रेस दोनों ही इस सीट में जीत की रणनीति बनानी शुरू कर दी है।